RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
# चेतना मंच

वर्ष : 27 अंक : 07 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, शनिवार, 28 दिसंबर, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

# पंचतत्व में विलीन हुए डॉ. मनमोहन सिंह

## निगमबोध घाट पर दी गई मुखाग्नि, नम आंखों से देश ने किया आखिरी सलाम

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के पार्थिव शरीर को निगम बोध मुखाग्नि दे दी गई। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह पंचतत्व में विलीन हो चुके हैं। इहलोक से उनकी अंतिम यात्रा शुरू हो गई है। नम आंखों से राहुल गांधी, सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे, प्रियंका गांधी ने विदाई दी। निगमबोध घाट पर पीएम मोदी के साथ गृह मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह भी मौजूद रहे। राजकीय सम्मान के साथ मनमोहन सिंह को अंतिम विदाई दी गई। अर्द्ध सेना के जवानों ने उनको 21 तोपों की सलामी दी।

उन्होंने दिल्ली के एम्स हॉस्पिटल में अंतिम सांस ली। उनकी उम्र 92 वर्ष थी। देर रात उनकी तबीयत खराब होने के बाद उन्हें एम्स में भर्ती कराया गया था। उनके निधन पर केंद्र सरकार ने देश पूरे देश में और अलग-अलग कई राज्यों ने 7 दिन का राजकीय शोक मनाने का फैसला किया है। इस मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सहित देश विदेश के कई प्रमुख हस्तियां शामिल होंगी। गृह मंत्रालय ने शुक्रवार देर शाम अंतिम संस्कार के पूरे कार्यक्रम और देश विदेश से आने मेहमानों की लिस्ट जारी किया है।

# पोल में करंट उतरने से तीन गोवंशो की दर्दनाक मौत

चेतना मंच

**ग्रेटर नोएडा।** पहली बारिश में एनपीसीएल के लोहे के पोल में करंट उतरने से कासना में दो गोवंश की व दनकौर के अमरपुर गांव में एक गोवंश की मौत होने की खबर है। गोरक्षक दल ने गोवंश की मौत एनपीसीएल पर गंभीर आरोप लगाए। घटना की सूचना पर भारी पुलिस फोर्स मौके पर पहुंच गया। खबर लिखे जाने तक लोगो का हंगामा जारी था।

# शातिर चोर गिरोह का पर्दाफाश

## सात गिरफ्तार, चोरी की बाइक, 3 तमंचे, 4 चाकू बरामद

**ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।** थाना कासना पुलिस ने फैक्ट्री व घरों में चोरी के वारदात को अंजाम देने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने गिरोह के सात सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से चोरी की बाइक, तमंचे, चाकू, जनरेटर के डिस्प्ले व अन्य सामान बरामद हुआ है।

ग्रेटर नोएडा जोन के एडीसीपी अशोक कुमार ने बताया कि थाना कासना पुलिस ने मुखबिर की सूचना के आधार पर खानपुर गांव के पास से पंकज राहुल, ललित रविंद्र, जीशान आकाश व महेश को गिरफ्तार किया। तलाशी में उनके पास से तीन तमंचे तथा चार चाकू बरामद हुए। अवैध असलाह के अलावा बदमाशों के पास से जनरेटर सेट के 6 डिस्प्ले स्टार अन्य सामान बरामद हुआ। पूछताछ में पकड़े गए बदमाशों ने बताया कि वह रेकी करने के बाद चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। उनके निशाने पर अधिकतर फैक्ट्री है व घरों के बाहर लगे बड़े जनरेटर सेट होते थे।

जनरेटर सेट से डिस्प्ले में अन्य कीमती सामान चोरी करने के लिए यह बाकायदा अपने साथ टूल बॉक्स लेकर चलते थे। चांद ही मिनट में यह जनरेटर सेट से कीमती सामान को चोरी कर रफू चक्कर हो जाते थे। एडीसीपी ने बताया कि उनके पास से मिली बाइक भी चोरी की है। यह बाइक खुर्जा से चोरी की गई थी। पकड़ा गए बदमाशों पर विभिन्न मामलों में मुकदमे दर्ज हैं।

# भाजपा मंडल अध्यक्षों की घोषणा 4-5 जनवरी तक

## नोएडा से 8 तथा जनपद गौतमबुद्धनगर से 11 मंडल अध्यक्षों की होनी है घोषणा

चेतना मंच

**नोएडा/ग्रेटर नोएडा।** नोएडा महानगर तथा जनपद गौतम बुध नगर में भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्षों के नाम की घोषणा 4-5 जनवरी को होगी। भाजपा के क्षेत्रीय कमेटी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने इस आशय की जानकारी दी है।

मालूम हो कि नोएडा महानगर में 8 मंडल अध्यक्षों के नाम की घोषणा होनी है। वहीं जनपद गौतम बुध नगर में 11 मंडल अध्यक्षों के नाम की घोषणा होनी बाकी है। 12 दिसंबर को हर मंडल के लिए दावेदारों ने संबंधित चुनाव अधिकारियों को अपने आवेदन जमा कराए थे। भाजपा प्रदेश कमेटी द्वारा घोषित चुनाव अधिकारियों ने हर मंडल से तीन-तीन नाम की सूची तैयार कर हाई कमान को भेज दी थी। इस सूची पर हाई कमान की मोहर लगने का सभी इंतजार कर रहे हैं इसके बाद हर मंडल में अध्यक्षों की घोषणा कर दी जाएगी।

नोएडा महानगर में जहां 8 मंडलों के लिए करीब दो दर्जन लोगों के नाम हाई कमान भेजे गए हैं। वहीं गौतम बुद्ध नगर में भी तकरीबन 33 नाम की सूची हाई कमान को भेज दी गई है। सूत्र बताते हैं कि मंडल अध्यक्ष के दावेदार इस पद को पाने के लिए अपने-अपने खासम खास आकाओं की परिक्रमा कर रहे हैं। उधर भाजपा के कुछ पदाधिकारी अभी भी लखनऊ में डेरा डाले हुए हैं। इस दावेदारों में कौन अध्यक्ष पद की बाजी मारेगी। इसका खुलासा अब 4-5 जनवरी को होने की उम्मीद है। फिलहाल सभी दावेदार हाई कमान की घोषित होने वाली सूची की ओर टकटकी लगाये इंतजार कर रहे हैं।

# ऑटो में सवार होकर चोरी की वारदातों को देते थे अंजाम

## मुठभेड में एक गिरफ्तार, दूसरा फरार

**ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।** थाना सूरजपुर पुलिस ने मुठभेड़ के बाद शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान पैर में गोली लगने से बदमाश घायल हो गया। पकड़े गए घायल बदमाश का साथी मौके का फायदा उठाकर फरार हो गया। सेंट्रल जोन के डीसीपी शक्तिमोहन अवस्थी ने बताया कि थाना सूरजपुर पुलिस द्वारा (शेष पृष्ठ-4 पर)

# हॉस्टल की कैंटीन में घुसकर बोला हमला

**ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।** थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र के नॉलेज पार्क-3 स्थित एक हॉस्टल की कैंटीन में घुसकर कुछ युवकों ने मारपीट के मारपीट के बाद आरोपी को जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। अरुण कुमार सिंह ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 22 दिसंबर की रात्रि को नॉलेज पार्क-3 स्थित नालंदा हॉस्टल की कैंटीन में कौशल उर्फ पीके, अमित जाट उर्फ पोलार्ड तथा दो अन्य अज्ञात युवक पहुंचे। इन लोगों ने कैंटीन संचालक दिलीप कुमार के साथ मारपीट की इसके बाद आरोपियों ने दिलीप के फोन से उसे फोन कर पूछा कि वह कहां है। जब उसने बताया कि वह अपने फार्म हाउस पर है तो कुछ ही देर बाद चारों युवक उसके फार्म हाउस पर पहुंचे। (शेष पृष्ठ-4 पर)

# सवा दो किलो गांजा समेत तस्कर दबोचा

**ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।** थाना दादरी पुलिस ने एक गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। इसके पास से सवा दो किलो गांजा बरामद हुआ है। थाना प्रभारी अरविंद कुमार ने बताया कि पुलिस टीम गस्त पर थी। इस दौरान मुखबिर ने सूचना दी कि शाहपुर खुर्द अंडरपास पर एक व्यक्ति गांजा लेकर खड़ा हुआ है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर दावत कर उक्त व्यक्ति को दबोच लिया। तलाशी में इसके पास से सवा दो किलो गांजा बरामद हुआ पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम सलाउद्दीन उर्फ सोनू पुत्र इस्लाम निवासी बुलंदशहर बताया पकड़े गए आरोपी ने बताया कि वह गाजियाबाद के लाल कुआं से एक व्यक्ति से गांजा लेकर आया था।

# 14 साल बाद तीनों प्राधिकरणों में लागू हुई समान औद्योगिक आवंटन नीति

**नोएडा (चेतना मंच)।** तकरीबन 14 वर्षों बाद गौतमबुद्धनगर के तीनों प्राधिकरणों में एक समान औद्योगिक भूखंड आवंटन नीति लागू हो जाएगी। शासन ने समान नीति को मंजूरी प्रदान कर दी है। शासन की ओर से तीनों प्राधिकरण में लागू की गई औद्योगिक आवंटन की एक नीति का फायदा उद्यमियों को होगा। इस पॉलिसी के तहत छोटे या बड़े दोनों भूखंड आवंटन के दौरान आवेदकों को यह साबित करना होगा कि वह पूर्ण रूप से इंडस्ट्री उद्यमी है। इसके लिए उन्हें तमाम दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे। पॉलिसी के तहत डिसाइड होने वाले 60 प्रतिशत अंक भी हासिल करने होंगे। यह अंक कुछ प्रश्नों के आधार पर होंगे जिससे यह तय होगा कि आप उद्यमी है या फिर प्रॉपर्टी डीलर। कंपनी की टर्नओवर भी दिखानी होगी इसके बाद ही वह ई ऑप्शन या साक्षात्कार के जरिए होने वाले भूखंड योजना में हिस्सा ले सकेंगे। अक्सर देखा गया है कि फाइनेंसर या प्रॉपर्टी डीलर ई ऑक्शन के दौरान मोती बोली लगाकर भूखंड आवंटन करवा लेते हैं। पॉलिसी के बाद ऐसा नहीं हो सकेगा सिर्फ उद्यमियों को ही भूखंड आवंटन होगा और उन्हें एक निश्चित समय में इस पर इमारत का निर्माण कराकर कार्यशील सर्टिफिकेट हासिल करना होगा।

# उ.प्र. युवा व्यापार मंडल भवन का उद्घाटन 2 जनवरी को

**नोएडा (चेतना मंच)।** उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने जानकारी दी कि प्रदेश का पहला आधिकारिक कार्यालय नोएडा के सेक्टर 115 मे बनकर तैयार हो गया है। जिसका भव्य उद्घाटन 2 जनवरी को सांसद डॉक्टर महेश शर्मा, विधायक पंकज सिंह, जिला अध्यक्ष मनोज गुप्ता, जिलाधिकारी मनीष वर्मा, कमिश्नर श्रीमती लक्ष्मी सिंह, सीएसटी कमिश्नर श्रीमति चाँदनी सिंह, कैलाश हॉस्पिटल के डायरेक्टर श्रीमती पल्लवी शर्मा के करकमलो द्वारा किया जाएगा। उपाध्यक्ष निखिल अग्रवाल द्वारा बताया गया है कि व्यापार मंडल के सदस्यों के सहयोग से इस अवसर पर 1551 कंबल वितरण एवं भंडारे का भी कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। प्रदेश महामंत्री सचिन गोयल ने बताया कि प्रदेश की जानी मानी हस्तियां इस कार्यक्रम में शिरकत करेंगी।

# नोएडा-ग्रेटर नोएडा व एनसीआर में देर रात हुई ओलावृष्टि

**नोएडा (चेतना मंच)।** कल से हो रही बारिश व कड़ाके की ठंड के बीच आज रात कई स्थानों पर बारिश के साथ बोलावृष्टि भी हुई। इससे ठंडक और अधिक बढ़ गई है। नोएडा- ग्रेटर नोएडा समेत दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में देर रात लगभग दो बजे तेज बारिश के साथ बर्फबारी भी हुई।

मौसम विभाग ने दिल्ली में आज बारिश और रविवार और सोमवार के लिए कोहरे का येलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान अधिकतम तापमान 15 और न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस के आस पास रहने की संभावना है। इधर, स्मॉग के कारण दिन में ही बारिश के बीच अंधेरा छाया रहा। ऐसे में वाहन चालकों ने लाइट जलानी पड़ी। सफदरजंग में सुबह सात बजे के दृश्यता 300 मीटर दर्ज की गई, वहीं पालम केंद्र में सुबह साढ़े दस बजे तक दृश्यता 600 मीटर दर्ज की गई। इससे वाहन चालकों को अधिक परेशानी का सामना करना पड़ा।

पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों में शनिवार को कहीं-कहीं गरज के साथ बारिश की भी संभावना है। कुछ हिस्सों में बर्फबारी और तेज हवाओं की चेतावनी जारी की गई है। पंजाब में दिन भर रुक-रुक कर वर्षा होती रही। पटियाला सहित कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि भी हुई। 31 दिसंबर को कुछ स्थानों पर ठंडी हवाएं चलने का अनुमान है। हरियाणा के हिसार, भिवानी, फतेहाबाद और कैथल जिले में ओलावृष्टि हुई। (शेष पृष्ठ-4 पर)

# अधर में लटका जापानी व डी पार्क का कार्य

## अभी तक नोएडा प्राधिकरण जारी नहीं कर पाया निविदाएं

**नोएडा (चेतना मंच)।** नोएडा प्राधिकरण की बहु प्रतीक्षित योजना सेक्टर-94 में बनने वाले डी पार्क तथा सेक्टर-62 के डी पार्क का कार्य फिलहाल अधर में लटक गया है। इसके लिये अभी तक नोएडा प्राधिकरण निविदा जारी नहीं कर पाया है।

प्राधिकरण ने इन पार्क की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट-डीपीआर-तैयार कर जुलाई महीने में आईआईटी दिल्ली को मंजूरी के लिए भेज दिया था। अगस्त महीने में आईआईटी से इसको मंजूरी मिल गई थी। इसके बाद दावा किया गया था कि सितंबर महीने में टेंडर जारी कर नवंबर-दिसंबर तक काम शुरू करा दिया जाएगा। प्राधिकरण अधिकारियों ने बताया कि सेक्टर-94 में बनने वाले जापानी पार्क में संस्कृति के उन पहलुओं को दिखाया जाएगा जिनमें प्रकृति प्रेम, शांति, और अध्यात्म जैसे गुण हैं।

पार्क में जापानी झूले, ड्रेगन के आकार का झूला, कई सेल्फ़ी पॉइंट, वॉकिंग ट्रैक, झरने, नदियां, द्वीप, और पुल होंगे। यहां कुछ ऐसे पेड़-पौधे भी उगाए जाएंगे जो मियावाकी तकनीक से उगाए जाएंगे। ये पेड़ 2-3 साल में घने जंगल का रूप ले लेंगे। इस पार्क में बांस के पेड़ों की संख्या ज़्यादा होगी। यहां आम तौर पर ऐसे पेड़ भी होंगे जो उत्तर भारत मैदानी इलाकों में नहीं दिखाई देते। यह करीब 14 एकड़ में बनवाया जाएगा। पार्क के अंदर 2 वाटर बॉडी होंगी। बीच वाली वाटर बॉडी के ऊपर से फुटपाथ निकाला जाएगा। प्रवेश द्वार के पास (शेष पृष्ठ-4 पर)

## जल संकट का समाधान

यह सुखद ही है कि जिन अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्री काल में बढ़ते जल संकट के समाधान के रूप में मेगा नदी जोड़ परियोजनाओं की कल्पना की गई थी, उनकी जन्मशती के अवसर पर उस सपने को साकार करने का सार्थक प्रयास शुरू हुआ है। लेकिन यह विडंबना ही है कि इस तरह की पहली परियोजना केन-बेतवा-लिंक परियोजना को सिरे चढ़ाने की दिशा में शुरुआत करने में चार दशक लग गए। निस्संदेह, यह एक महत्वाकांक्षी परियोजना है, लेकिन विलंब से काम शुरू होने से इसकी लागत में भी अच्छा-खासा इजाफा हो चुका है। निस्संदेह, ऐसे देश में जहां विश्व की अट्ठारह फीसदी आबादी रहती हो और दुनिया का सिर्फ चार फीसदी पीने का पानी उपलब्ध हो, भविष्य के जलसंकट का सहज अनुमान लगाया जा सकता है। शिलान्यास कार्यक्रम के वक्त प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी कि जल सुरक्षा 21वीं सदी की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है, नदी जोड़ परियोजना के प्रति सरकार के दृढ़ संकल्प की ओर संकेत देती है। निर्विवाद रूप से जलाशयों और नहरों के माध्यम से पानी के अधिशेष को जल संकट वाले इलाके की नदियों को स्थानांतरित करना, निश्चय ही सूखे की मार झेल रहे इलाकों का भाग्य बदलने जैसा ही है। लेकिन यह भी जरूरी है कि पर्यावरणीय जोखिमों का वैज्ञानिक ढंग से आकलन किया जाए। पर्यावरण वैज्ञानिक व पर्यावरण संरक्षण से जुड़े स्वयंसेवी संगठन प्रकृति के साथ खिलवाड़ की चिंताएं लगातार जताते रहते हैं। उनका मानना रहा है कि नदियों के प्राकृतिक प्रवाह में बाधा पहुंचने से पारिस्थितिकीय संतुलन प्रभावित हो सकता है। निस्संदेह, पर्यावरणीय संतुलन जरूरी है लेकिन जल संकट का समाधान निकालना भी उतना ही जरूरी है। दरअसल, राष्ट्रीय जल विकास एजेंसी ने 168 बिलियन डॉलर के प्रस्तावित बजट वाली हिमालयी और प्रायद्वीपीय क्षेत्रों के लिये तीस लिंक परियोजनाओं की पहचान की है। निश्चित रूप से पानी के समुचित वितरण, बाढ़ नियंत्रण, सूखे से मुकाबले और जलविद्युत उत्पादन में अधिक समानता के लिये ऐसी परियोजना की तार्किकता साबित होती है। इसके बावजूद पर्यावरणीय चुनौतियों पर ध्यान देने की भी सख्त जरूरत है। शोध अध्ययनों में दावा किया गया है कि हाइड्रो-लिंकिंग परियोजनाएं मानसून के चक्र में बदलाव ला सकती हैं। साथ ही परेशानी करने वाली जटिल जल-मौसम विज्ञान प्रणालियां विकसित हो सकती हैं। ऐसे में संभावित पारिस्थितिकीय क्षति की आशंका से इनकार भी नहीं किया जा सकता। निस्संदेह, इस दिशा में आगे चलकर व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाना जरूरी हो जाता है। परियोजनाओं को क्रियान्वित करने वाले नीति-नियंताओं को फिर से परियोजना को तैयार करने पर संभवित प्रतिक्रिया का विश्लेषण करने के लिये तैयार रहना चाहिए। केन-बेतवा परियोजना के जरिये जटिल पर्यावरणीय पैटर्न का समाधान प्रदान करने के लिये विज्ञान सम्मत पहल होनी चाहिए। इसके लाभ व हानि के पक्ष का मंथन भी जरूरी है। यह विडंबना ही है कि आज भी जल संरक्षण के लिये सामूहिक पहल सार्वजनिक नीति में एक गायब कड़ी बनी हुई है। ऐसे में बड़े पैमाने पर बड़ी परियोजनाओं को प्राथमिकता देने के साथ-साथ,सरकार को कुशल सिंचाई परियोजनाओं, अपशिष्ट जल के पुनर्चक्रण और प्रदूषित पानी की स्वच्छता के लिये सस्ती प्रौद्योगिकियों के विकास पर अनुसंधान में तेजी लाने की जरूरत है। साथ ही पर्याप्त वित्तीय समर्थन की भी जरूरत है। बताया जा रहा है कि केन-बेतवा योजना के सिरे चढ़ने से मध्य प्रदेश की आठ लाख हेक्टेयर से अधिक व उत्तर प्रदेश की ढाई लाख हेक्टेयर भूमि को सिंचाई की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। जल शक्ति मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार करीब बासठ लाख लोगों को पेयजल की अनवरत आपूर्ति हो सकेगी। इसके अलावा जलविद्युत परियोजना के जरिये 103 मेगावाट बिजली तथा 27 मेगावाट सौर ऊर्जा का उत्पादन प्रस्तावित है। निस्संदेह, यदि केन-बेतवा जैसी महत्वाकांक्षी योजना सिरे चढ़ती है तो अन्य नदी जोड़ परियोजनाओं के लिये भी नई जमीन तैयार हो सकेगी। इससे पहले कुछ दिन पूर्व जयपुर में पार्वती-काली सिंध व चंबल नदी लिंक परियोजना के लिये त्रिपक्षीय समझौते के सिरे चढ़ने को इस कड़ी का विस्तार कहा जा सकता है। भविष्य में जल संकट से निबटने में ये परियोजनाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

## रामचरित मानस

**कल के अंक में आपने पढ़ा था कि मैंने नारद का क्या बिगाड़ा था, जिन्होंने मेरा बसता हुआ घर उजाड़ दिया और जिन्होंने पार्वती को ऐसा उपदेश दिया कि जिससे उसने बावले वर के लिए तप किया॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।**

**साचेहुँ उन्ह कें मोह न माया। उदासीन धनु धामु न जाया॥**
**पर घर घालक लाज न भीरा। बाँझ कि जान प्रसव कै पीरा॥**

सचमुच उनके न किसी का मोह है, न माया, न उनके धन है, न घर है और न स्त्री ही है, वे सबसे उदासीन हैं। इसी से वे दूसरे का घर उजाड़ने वाले हैं। उन्हें न किसी की लाज है, न डर है। भला, बाँझ स्त्री प्रसव की पीड़ा को क्या जाने॥

**जननिहि बिकल बिलोकि भवानी। बोली जुत बिबेक मृदु बानी॥**
**अस बिचारि सोचहि मति माता। सो न टरइ जो रचइ बिधाता॥**

माता को विकल देखकर पार्वतीजी विवेकयुक्त कोमल वाणी बोलीं- हे माता! जो विधाता रच देते हैं, वह टलता नहीं, ऐसा विचार कर तुम सोच मत करो!॥

**करम लिखा जौं बाउर नाहू। तौ कत दोसु लगाइअ काहू॥**
**तुम्ह सन मिटहिं कि बिधि के अंका। मातु ब्यर्थ जनि लेहु कलंका॥**

जो मेरे भाग्य में बावला ही पति लिखा है, तो किसी को क्यों दोष लगाया जाए? हे माता! क्या विधाता के अंक तुमसे मिट सकते हैं? वृथा कलंक का टीका मत लो॥

(क्रमशः..)

# डॉ मनमोहन सिंह के प्रति इतिहास दयालु

> *देखा जाए तो प्रख्यात अर्थशास्त्री डॉ. मनमोहन सिंह भारत के 13 वें प्रधानमंत्री थे। वो लोकसभा चुनाव 2009 में मिली जीत के बाद, जवाहरलाल नेहरू के बाद भारत के पहले ऐसे प्रधानमंत्री बने, जिन्हें पांच वर्षों का कार्यकाल पूरा करने के बाद लगातार दूसरी बार प्रधानमंत्री बनने का अवसर मिला था।*

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह अब नहीं रहे, लेकिन पिछले 10 वर्षों से उनकी एक पंक्ति मुझे रह-रह कर चुभती आई है। वह यह कि वर्तमान मीडिया से ज्यादा इतिहास उनके प्रति दयालु होगा। चूंकि मैं इतिहास स्नातकोत्तर का विद्यार्थी रहा हूँ और पेशेवर मीडिया कर्मी भी हूँ, इसलिए उनकी बात और उसके मर्म को भलीभांति समझता हूं। इसलिए अमूमन सोचता रहता हूँ कि आखिर डॉ सिंह ने इतनी तल्ख टिप्पणी क्यों की?

याद दिला दें कि जनवरी 2014 में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह ने कहा था कि 'मैं मानता हूं कि अभी की मीडिया की तुलना में इतिहास मेरे प्रति दयालु होगा।' इसलिए यह यक्ष प्रश्न स्वाभाविक है कि आखिर डॉ मनमोहन सिंह के प्रति इतिहास क्यों दयालु होगा? किस स्तर तक यानी कितना होगा? और उन बातों-जज्बातों को जिन्हें खुद उन्होंने मुखरित होकर उठाया, या फिर मीडिया के उठाने के बावजूद भी उन पर चुप्पी साध ली, उसके बारे में इतिहास विद किस निष्कर्ष पर पहुंचेंगे, वस्तुनिष्ठ अवलोकन करना जरूरी है।

ऐसा इसलिए कि पत्रकारिता भी तो आज का इतिहास ही है। यह हर रोज गुजश्ते इतिहास का जीता-जागता सबूत है। कभी कभी तो वह खुद को दोहराता भी है, जैसा कि इतिहास बेकन ने कहा है। इसलिए सहज ही सवाल उठता है कि क्या मीडिया नासमझ है और इतिहास वस्तुनिष्ठ, जिस पर पक्षपात के आरोप लगते आए हैं! या फिर वो यानी डॉ सिंह जज्बाती, जिन्होंने मैडम (सोनिया गांधी) का यस मैन बनकर अपनी सियासत तो चमका ली, अपने युगान्तकारी नीतियों-रणनीतियों से कुछ लोगों को लाभान्वित भी कर गए! लेकिन जब एक शासक के रूप में राष्ट्रीय प्रतिष्ठा को बचाने और आतंकवादियों व उनके आकाओं के खिलाफ सख्त प्रशासनिक फैसले लेने की जरूरत आई तो किंकर्तव्यविमूढ़ बन बैठे।

वहीं, राष्ट्रीय संसाधनों पर अल्पसंख्यकों के पहले अधिकार की बात छेड़कर बहुसंख्यक समाज के आंखों की किरकिरी बन बैठे। चाहे आरक्षण हो या बेरोजगारी, इसका समुचित समाधान अपने 10 वर्षीय शासनकाल में भी नहीं दे पाए, जिसके चलते एक बार राहुल गांधी भी उनसे नाखुश प्रतीत हुए और उसके बाद ही उन्हें चुनावी हार का भी सामना करना पड़ा। बावजूद इसके जब उनसे जुड़ी विभिन्न बातों को यदि समय की कसौटी पर कसा जाए, उनके विचारों और व्यवहारों को परखा जाए तो उपर्युक्त तीनों बातें सही हैं।

इसके बावजूद, डॉ सिंह का पलड़ा इसलिए भारी है, क्योंकि वह स्वभाव से मृदु, पेशेवर तौर पर ईमानदार और राजनीतिक रूप से सदाशयी और स्पष्टवादी व्यक्ति थे। जिस दौर में उन्होंने सियासत की, जैसा उन्होंने कांग्रेस/यूपीए परिवार का विश्वास और भरोसा हासिल किया और जिन मानवीय मूल्यों को निभाया, उसमें वो सौ प्रतिशत खरे हैं। हां, इतना अवश्य है कि जब चांद भी बेदाग नहीं समझा जाता तो यह सियासी चांद भी 26/11 जैसी दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं के बाद आक्रामक कार्रवाई न करने के लिए जनमानस के कठघरे में खड़ा है!

वहीं, देश के संसाधनों पर पहला अधिकार अल्पसंख्यकों का है, का राग अलापकर अपने धवल इतिहास में भी उलाहना के कुछ पंक्तियों को सुनने के लिए हमेशा समुपस्थित रहेगा। बातें बहुत सारी हैं, जिन्हें गागर में सागर की तरह समाया नहीं जा सकता। फिर भी इतिहास के एक अध्ययनकर्ता के रूप में और मीडिया कर्मी के रूप में भी मैं कांग्रेस के इन विचारों से सहमत हूँ कि डॉ. मनमोहन सिंह को उनके गरिमामय आचरण, सार्वजनिक सेवा के प्रति प्रतिबद्धता, गहन ज्ञान और विनम्रता के लिए हमेशा याद रखेगा।

इस बात में कोई दो राय नहीं है कि वह अपने पीछे आर्थिक सुधारों, राजनीतिक स्थिरता और प्रत्येक भारतीय के जीवन के उत्थान के लिए समर्पण की विरासत छोड़ गए हैं। पहले एक टेक्नोक्रेट के रूप में, उसके बाद अर्थशास्त्री के रूप में और फिर भारत के प्रधान मंत्री के रूप में उनका कार्यकाल सामाजिक कल्याण पर ध्यान देने के साथ आर्थिक समृद्धि और विश्व मानचित्र पर भारत की स्थिति को मजबूत करने के लिए याद किया जाएगा।

कहना न होगा कि अपने शांत लेकिन लचीले नेतृत्व के लिए जाने जाने वाले, वह एक सिद्धांतवादी व्यक्ति थे जिन्होंने देखभाल, चिंता और देश के कल्याण के अलावा किसी भी चीज़ के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता के साथ कठोर निर्णय लिए। एक नेता के रूप में, डॉ. सिंह ने शायद ही कभी सुर्खियां बटोरीं हों, फिर भी उनके फैसले भारतीय समाज के हर पहलू और उससे परे गहराई से गूंजते रहे। इस तरह से राजनीतिक सहयोगियों, विरोधियों और विश्व नेताओं से उन्होंने जो विश्वास और सम्मान अर्जित किया, वह उनके गहरे प्रभाव का प्रमाण है।

देखा जाए तो प्रख्यात अर्थशास्त्री डॉ. मनमोहन सिंह भारत के 13 वें प्रधानमंत्री थे। वो लोकसभा चुनाव 2009 में मिली जीत के बाद, जवाहरलाल नेहरू के बाद भारत के पहले ऐसे प्रधानमंत्री बने, जिन्हें पांच वर्षों का कार्यकाल पूरा करने के बाद लगातार दूसरी बार प्रधानमंत्री बनने का अवसर मिला था। वहीं, उन्हें 22 जून 1991 से 16 मई 1996 तक पीवी नरसिंह राव के प्रधानमंत्रित्व काल में वित्त मंत्री के रूप में किए गए आर्थिक सुधारों का श्रेय दिया जाता है।

उन्होंने पंजाब विश्वविद्यालय से स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर की पढ़ाई पूरी की। इसके बाद वह कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय गए, जहां से उन्होंने पीएचडी की उपाधि हासिल की। फिर उन्होंने ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से डी-फिल भी किया। उनकी पुस्तक इंडियाज एक्सपोर्ट ट्रेंड्स एंड प्रोस्पेक्ट्स फॉर सेल्फ सस्टेंड ग्रोथ भारत की व्यापार नीति की पहली और सटीक आलोचना मानी जाती है।

डॉ. सिंह ने अर्थशास्त्र के अध्यापक के तौर पर काफी ख्याति अर्जित की। वह पंजाब विश्वविद्यालय और बाद में प्रतिष्ठित दिल्ली स्कूल ऑफ इकनामिक्स में प्राध्यापक रहे।

इसी बीच वह संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन सचिवालय में सलाहकार भी रहे और 1987 और 1990 में जेनेवा में साउथ कमीशन में सचिव भी रहे। 1971 में डॉ. सिंह भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में आर्थिक सलाहकार के तौर पर नियुक्त किए गए। इसके बाद 1972 में उन्हें वित्त मंत्रालय में मुख्य आर्थिक सलाहकार बनाया गया। मनमोहन सिंह योजना आयोग के उपाध्यक्ष भी रहे हैं। इसके अलावा रिजर्व बैंक के गवर्नर, प्रधानमंत्री के आर्थिक

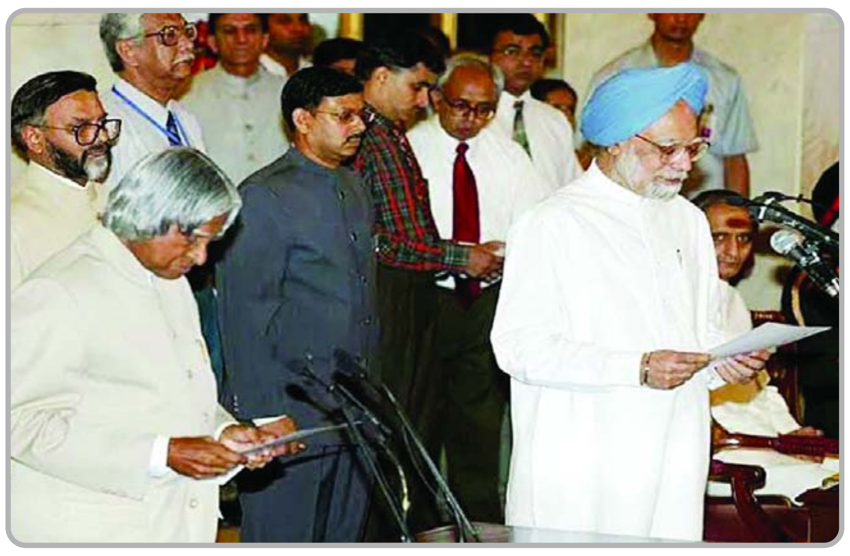

सलाहकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष भी रहे। भारत के आर्थिक इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब वह 1991 से 1996 तक भारत के वित्त मंत्री रहे।

1985 में राजीव गांधी के शासन काल में मनमोहन सिंह को योजना आयोग का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस पद पर उन्होंने लगातार पांच वर्षों तक कार्य किया, जबकि 1990 में वह प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार बनाए गए। जब पीवी नरसिंह राव प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने मनमोहन सिंह को 1991 में अपने मंत्रिमंडल में शामिल किया और वित्त मंत्रालय का स्वतंत्र प्रभार सौंपा। इस समय वह न तो लोकसभा और न ही राज्यसभा के सदस्य थे। मगर संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार सरकार के मंत्री को संसद का सदस्य होना आवश्यक होता है। इसलिए उन्हें 1991 में असम से राज्यसभा भेजा गया था।

डॉ. मनमोहन सिंह ने वित्त मंत्री के रूप में कार्य करते हुए साल 1991 में शुरू किए गए आर्थिक उदारीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसमें सरकारी नियंत्रण को कम करना, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को बढ़ाना और स्ट्रक्चरल रिफॉर्म्स को लागू करना शामिल था, जिसने भारत की अर्थव्यवस्था को वैश्विक बाजारों के लिए खोल दिया था।

राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (नरेगा)-2005 में शुरू किए गए इस अधिनियम ने प्रत्येक ग्रामीण परिवार को 100 दिन के वेतन रोजगार की गारंटी दी, जिससे लाखों लोगों की आजीविका में उल्लेखनीय सुधार हुआ और ग्रामीण बुनियादी ढांचे में वृद्धि हुई।

सूचना का अधिकार अधिनियम-2005 में पारित आरटीआई ने नागरिकों को सार्वजनिक प्राधिकरणों से जानकारी मांगने का अधिकार दिया, जिससे शासन में पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा मिला।

आधार की सुविधा: आधार परियोजना निवासियों को विशिष्ट पहचान प्रदान करने, विभिन्न सेवाओं तक पहुंच को सुविधाजनक बनाने के लिए शुरू की गई थी।

प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण: डॉ. मनमोहन सिंह की सरकार ने प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण सिस्टम को लागू किया, जिसने कल्याण वितरण को सुव्यवस्थित किया और कई खामियों को दूर किया।

कृषि ऋण माफी (2008)कृषि संकट को दूर करने के लिए 60,000 करोड़ रुपए के ऋण माफी के माध्यम से किसानों को राहत प्रदान की।

भारत-अमेरिका असैन्य परमाणु समझौता: मनमोहन सिंह की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक भारत-अमेरिका असैन्य परमाणु समझौते पर बातचीत थी। इस समझौते के तहत, भारत को परमाणु आपूर्तिकर्त्ता समूह से छूट मिली। इसके तहत भारत को अपने नागरिक और सैन्य परमाणु कार्यक्रमों को अलग करने की अनुमति मिली। इस डील के तहत भारत को उन देशों से यूरेनियम आयात करने की अनुमति मिली, जिनके पास यह तकनीक है।

विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) अधिनियम 2005

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) अधिनियम 2005 को 23 जून 2005 को भारत के राष्ट्रपति की मंजूरी मिली। यह अधिनियम 10 फरवरी 2006 को विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) नियम 2006 के साथ लागू हुआ।

जीडीपी 10.08% पर पहुंच गई: राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग द्वारा गठित रियल सेक्टर सांख्यिकी समिति द्वारा तैयार जीडीपी पर आंकड़ों के अनुसार, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की सरकार के तहत 2006-2007 में भारत ने 10.08% की वृद्धि दर दर्ज की थी। यह 1991 में अर्थव्यवस्था के उदारीकरण के बाद से भारत में दर्ज की गई सबसे अधिक जीडीपी थी। उच्चतम जीडीपी वृद्धि दर 2006-2007 में 10.08% थी।

इन उपलब्धियों के आधार पर निर्विवाद रूप से यह कहा जा सकता है कि राजनीति के इस विद्वान संत ने अपनी क्षमता से बढ़कर कार्य किया। हर बात में सियासी उछलकूद मनाने वालों को, यूपीए गठबंधन को 10 साल तक सफल नेतृत्व देना सबके बूते की बात नहीं थी। इसके लिए वह सदैव याद किये जाएंगे। इतना विद्वान प्रधानमंत्री न पहले हुआ था, न होगा। उनकी नीतियां इतनी कालजयी रहीं कि परवर्ती मोदी सरकार ने भी किंतु-परंतु करते हुए उन्हें अपना लिया।

इतना ही नहीं, सरदार मनमोहन सिंह ने अपने कलीग को जो सम्मान दिया, वैसा राजनीति में कम ही लोग प्रेरित करते हैं। उनकी ईमानदारी हमेशा प्रेरणा बनी रहेगी और वह हमेशा उन लोगों के बीच खड़े रहेंगे जो वास्तव में इस देश से प्यार करते हैं। एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जो अपने विरोधियों द्वारा अनुचित और गहरे व्यक्तिगत हमलों के बावजूद देश की सेवा करने की अपनी प्रतिबद्धता पर दृढ़ रहे। वह अंत तक वास्तव में समतावादी, बुद्धिमान, दृढ़ इच्छाशक्ति वाले और साहसी थे।

वस्तुतः राजनीति की कठिन दुनिया में एक अद्वितीय प्रतिष्ठित और सज्जन व्यक्ति थे। मनमोहन सिंह ने असीम बुद्धिमत्ता और निष्ठा के साथ भारत का नेतृत्व किया। उनकी विनम्रता और अर्थशास्त्र की गहरी समझ ने देश को प्रेरित किया। जबकि कांग्रेस ने एक गुरु और मार्गदर्शक खो दिया है। हममें से लाखों लोग जो उनके प्रशंसक थे, उन्हें अत्यंत गर्व के साथ याद करेंगे। एक राजनेता, एक विद्वान, एक नेता, एक दूरदर्शी के रूप में वो भारत के सबसे गौरवान्वित पुत्रों में से एक रहे, जिनकी बहुत याद आएगी।

हां, भ्रष्टाचार न रोक पाने, सोनिया गाँधी के इशारे पर चलने वगैरह-वगैरह तमाम आरोपों और तमाम ख़ामियों के बावजूद भारत आज जो समृद्धि देख रहा है, उसका दरवाज़ा मनमोहन सिंह ने ही खोला था। आज जो फ्लाइट्स फुल चल रही हैं, होटलों में कमरे नहीं मिल रहे, मिडिल क्लास अपने बच्चों को इंटरनेशनल स्कूल में पढ़ा पा रहा है, इकोनॉमी बूम कर रही है, इस सबकी बुनियाद सिंह साहब ने ही रखी थी। इसलिए उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि।

**- कमलेश पांडेय**
**वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक**

## राशिफल

**पौष कृष्ण पक्ष त्रयोदशी** | **(विक्रम संवत् 2081)**

**मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)**
प्रोफेशनल व पर्सनल लाइफ दोनों ही आपकी बहुत अच्छी हैं। जीवन में तरक्की कर रहे हैं। प्रेम का साथ है।

**वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)**
गुण-ज्ञान की प्राप्ति होगी। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा। स्वास्थ्य ऊपर-नीचे रहेगा। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी है।

**मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)**
भावुक पर काबू रखें। महत्वपूर्ण निर्णय अभी रोक कर रखें। स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम-संतान मध्यम है।

**कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)**
गृहकलह के संकेत हैं। स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम-संतान थोड़ा मध्यम। व्यापार भी बहुत अच्छा नहीं है लेकिन चलता रहेगा।

**सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)**
पराक्रम रंग लाएगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा, प्रेम-संतान मध्यम व व्यापार अच्छा रहेगा।

**कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)**
स्वास्थ्य में सुधार हो चुका है। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी है। व्यापार अच्छा है। धन आगमन होगा।

**तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)**
आकर्षण के केंद्र बने रहेंगे। जरूरत के हिसाब से जीवन में वस्तुएं उपलब्ध होंगी। समाज में वाहवाही बटोरेंगे।

**वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)**
खर्च की अधिकता रहेगी। अज्ञात भय सताएगा। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम-संतान मध्यम। व्यापार सही है।

**धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)**
यात्रा का योग बनेगा। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। प्रेम-संतान पहले से बेहतर होगा।

**मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)**
उच्चाधिकारियों का आशीर्वाद मिलेगा। पिता का साथ होगा। स्वास्थ्य, प्रेम व व्यापार बहुत अच्छा दिख रहा है।

**कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)**
भाग्य साथ देगा। कार्यों की विघ्न-बाधा खत्म होगी। स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम-संतान अच्छा है व व्यापार अच्छा है।

**मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)**
बस एक दिन अपने पर ध्यान रखिए। कोई रिस्क न लें। स्वास्थ्य, प्रेम व व्यापार मध्यम रहेगा।

# यीडा में 451 भूखण्डों का निकला ड्रॉ, कईयों की खुली किस्मत

**ग्रेटर नोएडा ( चेतना मंच )।** यमुना प्राधिकरण के आवासीय भूखण्ड योजना के तहत ड्रा प्रक्रिया का आयोजन किया गया है, जिसमें 112009 आवेदन प्राप्त हुए थे। इस योजना में कुल 111703 पात्र आवेदन थे, और अब 451 भूखण्डों का आवंटन किया गया है। बता दें यह योजना नोएडा की आवासीय जरूरतों को पूरा करने के उद्देश्य से शुरू की गई थी, जिसमें विभिन्न आकारों के भूखण्डों के लिए ड्रा प्रक्रिया संपन्न हुई। आइए अब आपको बताते है कि इस ड्रा में अब तक कितने लोगों का सपना पूरा हुआ। इस ड्रा की अब तक की क्या स्थिति है। इस श्रेणी में कुल 23985 आवेदकों ने आवेदन किया था, जबकि उपलब्ध भूखण्डों की संख्या 100 थी। इसमें पहले किसान एस.सी. श्रेणी, विकलांग कृषक श्रेणी और सामान्य किसान श्रेणी के लिए आरक्षित भूखण्डों के लिए ड्रा आयोजित किया गया। इसके बाद विकलांग श्रेणी और सामान्य श्रेणी के लिए शेष भूखण्डों का आवंटन किया गया। इस श्रेणी में 23684 आवेदकों ने सामान्य श्रेणी के भूखण्डों के लिए ड्रा में भाग लिया।

इस श्रेणी में 36403 आवेदन प्राप्त हुए थे और कुल 169 भूखण्डों का आवंटन किया गया। पहले किसान एस.सी. श्रेणी और विकलांग कृषक श्रेणी के आरक्षित भूखण्डों का ड्रा किया गया, इसके बाद सामान्य किसान श्रेणी और विकलांग श्रेणी के लिए शेष भूखण्डों का आवंटन किया गया। सामान्य श्रेणी के 132 भूखण्डों के लिए 35755 आवेदकों का चयन हुआ।

इस श्रेणी में कुल 48170 आवेदकों ने आवेदन किया था, जबकि उपलब्ध भूखण्डों की संख्या 172 थी। इसमें पहले किसान एस.सी. श्रेणी के लिए आरक्षित भूखण्डों के बाद विकलांग कृषक श्रेणी और सामान्य किसान श्रेणी के लिए शेष भूखण्डों का आवंटन किया गया। 47292 आवेदकों का चयन सामान्य श्रेणी के लिए किया गया।

इन श्रेणियों के लिए कुल 1819 और 1326 आवेदन प्राप्त हुए थे, और 6 और 4 भूखण्डों का आवंटन किया गया। इन दोनों श्रेणियों में विकलांग श्रेणी के लिए कोई भूखण्ड उपलब्ध नहीं था, तो इन आवेदकों को सामान्य श्रेणी में स्थानांतरित किया गया।

# 80 टन कचड़े का अब होगा वैज्ञानिक निस्तारण

## सीईओ ने 40-40 टन के दो नये प्रोसेसिंग प्लांट को दी मंजूरी

**नोएडा ( चेतना मंच )।** नोएडा प्राधिकरण सीईओ डॉ.लोकेश एम ने भविष्य को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त बनाने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। सीईओ ने म्यूनिसिपल सॉलिड वेस्ट के निस्तारण के लिए दो नए प्रोसेसिंग प्लांट को मंजूरी दी है। इस समस्त सामग्री को दोबारा उपयोगी बनाई जाएगी।

नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि इन प्लांट में प्रतिदिन 25 टन गीले कचरे से गैस और खाद बनाई जाएगी, जबकि 15 टन सूखे कचरे को नए उत्पादों में बदलने का काम किया जाएगा। इस तरह कुल मिलाकर हर दिन 80 टन म्यूनिसिपल सॉलिड वेस्ट का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण किया जाएगा। चयनित एजेंसी कम जगह में अधिक कार्यक्षमता और बेहतर आर्थिक प्रस्ताव देगी, उसे प्लांट की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी।

अधिकारियों ने बताया कि एजेंसी अपने खर्च पर प्लांट की स्थापना करेगी और कचरा एकत्रित कर सही इस्तेमाल करेगी। एजेंसी अलग-अलग भवनों से कचरा उठाने के लिए यूजर चार्ज लेगी और प्लांट से प्राप्त उत्पादों की बिक्री से राजस्व प्राप्त करेगी, जिसका एक हिस्सा नोएडा प्राधिकरण को दिया जाएगा। प्राधिकरण की ओर से प्लांट के लिए कोई खर्च नहीं किया जाएगा। प्लांट 15 सालों के लिए स्थापित किया जाएगा। संतोषजनक कार्य पाए जाने पर इसे 3 साल के लिए बढ़ाया जा सकेगा।

# तीन स्थानों पर आबकारी विभाग ने चलाया अभियान

**नोएडा ( चेतना मंच )।** ज़िला आबकारी अधिकारी गौतमबुद्धनगर के नेतृत्व में चलाये जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के तहत आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-3 द्वारा रायपुर यमुना पुश्ता ,असगारपुर एवम् छपरौली ,स्थित, देशी, विदेशी, बियर की दुकानों का निरीक्षण किया गया एवं कैनटीन की गहनता से चेकिंग की गयी। सभी दुकानों पर नियमों को सुनिश्चित कराने के साथ ही दुकानों पर गोपनीय टेस्ट परचेज करवाया गया।

निर्धारित मूल्य से अधिक मूल्य पर विक्री न हो साथ ही सभी दुकानों पर सीसीटीवी रिकॉर्डिंग सहित संचालित हो रही हैं या नहीं सुनिश्चित माँकिया जा रहा हैं, सभी दुकानों पर पोस मशीन से 100 प्रतिशत बिक्री हो इसको भी कड़ाई से सुनिश्चित किया जा रहा हैं।

# अवैध भूजल दोहन पर कड़ी निगरानी रखें अधिकारी : मनीष वर्मा

## 31 आवेदन मिले सी, 12 मंजूर तथा 7 खारिज : अंकिता राय

**नोएडा ( चेतना मंच )।** जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला भूगर्भ जल प्रबंधन समिति की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में भूगर्भ जल अधिकारी अंकिता राय ने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि विभागीय पोर्टल पर कुल 31 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनके सापेक्ष जिला भूगर्भ जल प्रबंधन समिति के द्वारा 12 आवेदनों को स्वीकृत किया जाना है, 07 आवेदनों को अस्वीकृत किया गया तथा 03 आवेदन जो राज्य प्राधिकरणों को अग्रसारित किया गया है। शेष 09 आवेदन में संबंधित प्राधिकरणों से आख्या प्राप्त होने के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी ने जनपद में भू-जल का अधिकतम संरक्षण सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से जनपद स्तरीय टास्क फोर्स को निर्देशित किया कि जनपद में अभी तक भूगर्भ जल प्रयोजन के लिए जारी हो चुके अनापत्ति प्रमाण पत्र के सापेक्ष औद्योगिक, इंफ्रास्ट्रक्चर, कमर्शियल तथा सामूहिक उपभोक्ताओं द्वारा भू-जल संरक्षण एवं पुनर्भरण के लिए रूफटॉप रेनवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का परिसर में निर्माण, तालाबों का जीर्णोद्धार के लिए की जा रही गतिविधियों के संबंध में सभी से रिपोर्ट प्राप्त की जाए और यदि अनापत्ति प्रमाण प्राप्त करने के बावजूद उनके द्वारा वाटर रिचार्ज को लेकर यदि कोई गतिविधि नहीं की जा रही तो संबंधित का अनापत्ति प्रमाण पत्र निरस्त की जाने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही रेजिडेंस सोसाइटी, अपार्टमेंट सरकारी भवनों, कार्यालय आदि में भी वाटर रिचार्ज स्ट्रक्चरों की स्थिति की गहन समीक्षा की जाए। साथ ही निर्देश दिए कि सभी सरकारी कार्यालयों, भवनों व हाईराइज सोसाइटियों में लगे रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम सक्रिय रहने चाहिए।

जिलाधिकारी ने भूगर्भ विभाग के अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि जनपद में कहीं पर भी अवैध रूप से भूजल का दोहन न हो सके इसके लिए अधिकारीगण विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई सुनिश्चित करें। साथ ही जागरूकता कार्यक्रम चलाते हुए भूजल को सुरक्षित रखने हेतु आम जनमानस को जागरूक करें।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विद्यानाथ शुक्ल, प्राधिकरण, सिंचाई विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

# सफाई में लापरवाही बरतने पर संविदाकार को काली सूची में डाला

**नोएडा ( चेतना मंच )।** सफाई में लापरवाही बरतने तथा मानको का पालन न करने पर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डा. लोकेश एम ने एक संविदा कपनी को काली सूची मे डाल दिया।

सीईओ डॉ. लोकेश एम ने पिछले दिनों निरीक्षण के दौरान पाया गया कि कंपनी द्वारा सड़कों और नालियों की सफाई का कार्य सही तरीके से नहीं किया जा रहा था। सीईओ ने भी इस लापरवाही पर गहरी नाराजगी व्यक्त की है। कंपनी को बार-बार निर्देश देने के बावजूद सफाई कार्य में कोई सुधार नहीं देखा गया। कंपनी पर आरोप है कि उसने जन स्वास्थ्य द्वितीय के जोन-3 के अंतर्गत अलग-अलग सेक्टरों और गांवों में सफाई व्यवस्था को गंभीर रूप से प्रभावित किया है।

नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि कंपनी ने अपने कर्मचारियों को निर्धारित वर्दी, आई कार्ड, जूते और सफाई उपकरण जैसे झाड़ू, कोल्ची, पंजी, फावड़ा, गैंती, गमबूट इत्यादि पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं कराए। इसके अलावा, नालों से निकली सिल्ट और कूड़े को नियमित रूप से सेक्टर-145 स्थित अस्थाई डंपिंग ग्राउंड तक नहीं पहुंचाया जा रहा था।

कंपनी ने नियम के अनुसार, आवश्यक मशीनरी जैसे रिक्शा, जेसीबी, ट्रैक्टर ट्रॉली, हाईवा, व्हील बैरो, वाटर टैंकर और मिनी टिपर भी उपलब्ध नहीं कराए। इसके अलावा दिसंबर 2024 में बिना किसी पूर्व सूचना के 6 नए सफाई कर्मचारियों की तैनाती की गई, जिनका विवरण आईसीसीसी सेंटर पर दर्ज नहीं था। प्राधिकरण ने इन सभी गंभीर चूकों को देखते हुए कंपनी को दो सालों के लिए टेंडर प्रक्रिया में भाग लेने से प्रतिबंधित कर दिया है।

# ठंड से बचाव व रैन बसेरा के लिये एडवाइजरी जारी

**नोएडा ( चेतना मंच )।** जिला आपदा विशेषज्ञ ओमकार चतुर्वेदी ने बताया गया कि तहसील दादरी में 05, तहसील जेवर में 03, तहसील सदर में 05 जनपद में कुल 13 रैन बसेरों का सफल संचालन किया जा रहा है, जिसमें राजस्व अधिकारी द्वारा सभी मूलभूत व्यवस्थाओं का निरंतर निरीक्षण किया जा रहा है?। जनपद के निराश्रित व्यक्तियों को किसी भी असुविधा का सामना न करना पड़े, इसके लिए जिलाधिकारी कार्यालय, गौतमबुद्ध नगर में कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है। जनसामान्य द्वारा निराश्रित व्यक्तियों को शीतलहर/ठंड से बचाव हेतु कंट्रोल रूम नंबर 01202978232 पर संपर्क किया जा सकता है।

जिला आपदा विशेषज्ञ गौतम बुद्ध नगर द्वारा जन सामान्य हेतु शीत लहर/ठंड से बचाव हेतु क्या करें-क्या न करें के संबंध में बिंदुवार एडवाइजरी भी जारी की गई है।

## इन निर्देशों का करें पालन

- फ्लू, बहती/बंद नाक या नाक से खून आने जैसी विभिन्न बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है, जो आमतौर पर ठंड के लंबे समय तक संपर्क में रहने के कारण विकसित होती है, या बढ़ जाती है। इस तरह के लक्षणों के लिए डॉक्टर से सलाह ले।
- लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से त्वचा पीली, कठोर और सुन्न हो सकती है। शरीर के खुलें हिस्सों जैसे उंगलियों, पैर की उंगलियों, नाक और कानों पर काले छालें पड़ सकते हैं। तुरंत डॉक्टर से सलाह ले।
- कंपकंपी को नजर अंदाज न करें, यह महत्वपूर्ण पहला संकेत है, की शरीर की गर्मी कम हो रही है और यह जल्दी से घर के अंदर लौटने का संकेत है।
- शीतदंश से पीड़ित व्यक्ति यथाशीघ्र चिकित्सा सलाह ले।
- पालतू जानवरों को घर के अंदर ले जाएं। इसी

तरह मवेशियों या घरेलू पशुओं को भी अंदर ले जाकर ठंड के मौसम से बचाए।
- शीत लहर के गंभीर संपर्क से हाइपोथर्मिया हो सकता है। शरीर के तापमान में कमी, जिससे कपकपी, बोलने में कठिनाई, नींद आना, मांसपेशियों में अकड़न, भरी सांस लेना, कमजोरी और ध्यान चेतना की हानि हो सकती है। हाइपोथर्मिया एक चिकित्सीय आपात स्थिति है, जिसके लिए तत्काल चिकित्सा ध्यान देने की आवश्यकता होती है।

# ''पोषण भी, पढ़ाई भी'' आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ

**नोएडा ( चेतना मंच )।** जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के निर्देशों के क्रम में मिशन सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0 के अन्तर्गत शालापूर्व शिक्षा को सशक्त बनाने हेतु आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों का तीन दिवसीय ट्रेनिंग का शुभारंभ। खंड विकास अधिकारी बिसरख फानिश कुमार द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। शुभारंभ अवसर पर एम0ओ0आई0सी0 डॉक्टर सचेंद्र कुमार, एडीओ पंचायत कृष्ण कुमार उपस्थित रहे। खंड विकास अधिकारी बिसरख द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए बताया गया की ''पोषण भी पढ़ाई भी'' की ट्रेनिंग आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि आंगनवाड़ी कार्यकत्री ही समाज की नींव से जुड़ी हुई है। आंगनबाड़ी कार्यकत्री यदि अपना कार्य अच्छे से करेंगे तो हमारा समाज बहुत आगे जा सकता है।

एम0ओ0आई0सी0 डॉ सचेंद्र के द्वारा भी पोषण पढ़ाई के विषय में पोषण से संबंधित जानकारी दी गई और अवगत कराया गया कि पोषण भी कितना जरूरी है जीवन में आगे बढ़ने के लिए, मां और बच्चे का स्वस्थ रहना भी समाज के लिए अति आवश्यक है। उन्होंने बताया कि ब्लॉक बिसरख में ट्रेनिंग 26 दिसंबर से शुरू की गई है तथा तीन-तीन दिवस के तीन बैच में सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया जाएगा। आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर के रूप में रॉकेट लर्निंग से गायत्री एवं विभाग से मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रीति भदोरिया, विनोद कुमारी, अनीता मलिक, अर्चना एवं वंदना भी उपस्थित थी।

इसी श्रृंखला में बाल विकास परियोजना कार्यालय शहर दनकौर ब्लॉक में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की ''पोषण भी पढ़ाई भी'' की ट्रेनिंग का शुभारंभ प्रोफेसर गलगोटियास युनिवर्सिटी डॉ0 अन्नता श्रीवास्तव द्वारा किया गया। प्रोफेसर डॉ0 अन्नता श्रीवास्तव द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए बच्चों के विकास व पढ़ाई का परिचय कराया गया। दनकौर में ट्रेनिंग 27 दिसंबर से शुरू की गई है तथा तीन-तीन दिवस के तीन बैच में सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया जाएगा। आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य सेविका सिटी प्रोजेक्ट रितु चौहान, मास्टर ट्रेनर के रूप में रॉकेट लर्निंग से शाहीन एवं विभाग से मास्टर ट्रेनर के रूप में किरन भारती, पूनम सिंह एवं ऊषा सिंह भी उपस्थित रहे।

बाल विकास परियोजना दादरी गौतमबुद्धनगर में ''पोषण भी पढ़ाई भी'' विषय पर 100 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया गया, जिसका शुभारंभ बाल विकास परियोजना अधिकारी दादरी चारु अग्रवाल एवं प्रशिक्षण स्थल प्राथमिक विद्यालय चिटेहरा की प्रधान अध्यापक रजनी शर्मा द्वारा किया गया। आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में रॉकेट लर्निंग टीम से प्रशिक्षक जयप्रकाश और सुपरवाइजर मंजू रानी वर्मा, रेखा शर्मा, कुंतेश एवं ऑपरेटर शशि भी उपस्थित रहे।

# वार्ता के बाद डीएम ने भाकियू (बलराज) को दिया किसानों की रिहाई का आश्वासन

**ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।** भारतीय किसान यूनियन (बलराज) का कल कलेक्ट्रेट सूरजपुर पर किसान स्वाभिमान महापंचायत के लिए संगठन के राष्ट्रीय कैम्प कार्यालय पर हजारों की तादाद मे कार्यकर्ता व किसान ट्रैक्टरों व गाडियों से एकत्रित हुए कैम्प कार्यालय पर पहले से ही भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। किसानों के हुजूम को देखकर पुलिस प्रशासन के हाथ पैर फूल गये और आला अधिकारियों को सूचित किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी ने किसानों को सम्बोधित करते हुए कहा कि शासन प्रशासन किसानों के प्रति दमनकारी निति बन्द करें और किसानों की बिना शर्त रिहाई करें।

बलराज भाटी ने सूरजपुर के लिए कूच करने का आवाह्न किया कुछ समय बाद ही उपजिलाधिकारी दादरी अनुज नेहरा ,एसीपी दादरी, थानाध्यक्ष दादरी किसानों के बीच संगठन के कैम्प कार्यालय कैमराला पहुँचें और किसानों से वार्ता की। किसानों ने जिलाधिकारी व तीनों प्राधिकरण के सीईओ के साथ वार्ता करने व जेल में बन्द किसानों की रिहाई के लिए अड गये। उपजिलाधिकारी ने जिलाधिकारी से फोन पर सम्पर्क कर किसानों की बात रखी। जिलाधिकारी ने एक सप्ताह में वार्ता कर समस्याओ के निस्तारण का आश्वासन दिया और जेल में बन्द किसानों की रिहाई के लिए आश्वासन दिया तब किसानों ने जिला कलेक्ट्रेट सूरजपुर जाने का कार्यक्रम स्थागित किया और उपजिलाधिकारी को महामहिम राष्ट्रपति, प्रधानमन्त्री, मुख्यमन्त्री उत्तर प्रदेश, और जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर के नाम किसानों की समस्याओ को लेकर ज्ञापन सौंपा।

इस अवसर पर राष्टीय अध्यक्ष बलराज भाटी राष्टीय अध्यक्ष महिला मोर्चा रेखा सिवाल, राष्टीय उपाध्यक्ष एडवोकेट विजय प्रताप सिंह, विरेन्द्र सिंह गुर्जर, राष्टीय कोषाध्यक्ष रोहित भाटी, राष्टीय कार्यकारणी सदस्य चंद्रपाल बंसल, राष्टीय कार्यकारणी सदस्य जितेन्द्र सिंह, प्रदेश अध्यक्ष हातम सिंह, यूथ उत्तर प्रदेश अध्यक्ष विपिन खारी, जिलाध्यक्ष योगेश वैष्णव, जिलाध्यक्ष बुलन्दशहर हेमन्त पडिंत, जिलाध्यक्ष हापुड महेश शिशौदिया, जिलाध्यक्ष मेरठ मोहित प्रधान, प्रदेश महासचिव दिलदार अंसारी, प्रदेश उपाध्यक्ष आशीष नागर, आदि हजारों कार्यकर्ता व किसान मौजूद रहे।

# पुलिस परीक्षा में शामिल शिक्षकों का चार माह बाद भी नहीं मिला मानदेय

## उप्र. प्राथमिक शिक्षक संघ ने बीएसए को लिखा पत्र

**ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।** उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष प्रवीन शर्मा एवं जिला मंत्री गजन भाटी ने पुलिस परीक्षा में लगे शिक्षकों को 4 माह बीतने पर भी मानदेय न मिलने पर बीएसए गौतमबुद्धनगर को पत्र लिखा।

उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आरक्षी नागरिक पुलिस के पदों पर सीधी भर्ती-2023 की लिखित परीक्षा का पुन: आयोजन जनपद गौतमबुद्धनगर के 18 परीक्षा केन्द्रों पर हुआ। जिसमें से एक केन्द्र गौतमबुद्ध यूनिवर्सिटी में बेसिक शिक्षा परिषद के विभिन्न अध्यापकों की ड्यूटी पाँच दिन (23, 24, 25, 30, 31 अगस्त 2024) दोनों शिफ्टों में लगायी गयी। सभी अध्यापकों द्वारा पूर्ण मनोयोग से अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया गया। लेकिन अत्यधिक खेद का विषय है कि लगभग चार माह व्यतीत होने के बाद भी अध्यापकों को उनका नियत मानदेय 3000 रूपये प्राप्त नहीं हुआ है।

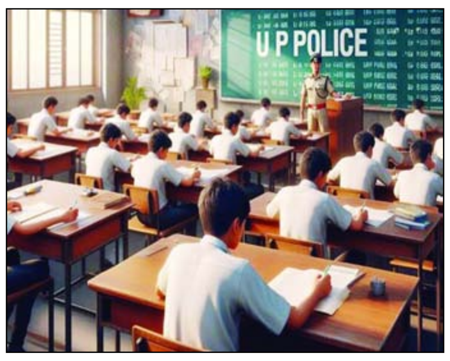


जबकि गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी के अतिरिक्त अन्य सभी 17 केन्द्रों पर सभी परीक्षकों को मानदेय ससमय प्राप्त हो चुका है।

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष प्रवीण शर्मा एवं जिलामंत्री गजन भाटी के नेतृत्व में आदरणीय बेसिक शिक्षा अधिकारी गौतमबुद्धनगर को पत्र लिखा गया कि हमारे सभी शिक्षक साथियों जिनकी ड्यूटी परीक्षा में लगाई गई थी उनका नियत मानदेय दिलवाया जाए।

इस अवसर पर मांडलिक मंत्री मेघराज भाटी, संरक्षक अशोक शर्मा, जिला अध्यक्ष प्रवीन शर्मा, जिला मंत्री गजन भाटी, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष बलेराम नागर, जिला मीडिया प्रभारी अरविन्द शर्मा, दनकौर ब्लॉक अध्यक्ष सतीश पीलवान, मंत्री रामकुमार शर्मा, संगठन मंत्री राजन मलिक, बिशरख ब्लॉक अध्यक्षा स्मिता सिंह, मंत्री मीना यादव, दादरी ब्लॉक अध्यक्ष रवि भाटी, मंत्री वेदप्रकाश गौतम, जेवर ब्लॉक अध्यक्ष हेमराज शर्मा, मंत्री रैदास आदि सम्मानित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

# सेक्टर 11 में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता 26 जनवरी व क्रिकेट मैच 25 को : अनुज

**नोएडा (चेतना मंच)।** सेक्टर 11 आरडब्लूए द्वारा 26 जनवरी को ध्वजारोहण के बाद वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन होगा। यह जानकारी आरडब्लूए के अध्यक्ष अनुज गुप्ता ने दी है।

श्री गुप्ता ने बताया कि इसको लेकर 21 दिसंबर को कार्यकारिणी की बैठक हुई थी। जिसमें यह निर्णय सर्व समिति से पारित किया गया है उन्होंने बताया कि खेल कूद प्रतियोगिता प्रात: 10-00 बजे से शुरू होगी। इसके बाद सभी विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाएगा। अनुज गुप्ता ने बताया कि 5 जनवरी को क्रिकेट मैच का आयोजन किया जाएगा। क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए गठित टीमों की सूचना 31 दिसंबर तक अवश्य बारातघर के पास जमा कर दी जाए जिससे 5 जनवरी को मैच का शुभारंभ हो सके। उन्होंने बताया कि वर्ष 2023-24 में दसवीं एवं 12वीं परीक्षा में 85 फीस दी तथा उससे अधिक अंक पाने वाले छात्रों को पुरस्कृत भी किया जाएगा। सभी छात्र अपनी अंक तालिका 15 जनवरी तक सेक्टर 11 के बारात घर में जमा करवा दे ताकि उनके नाम का चयन किया जा सके।

# प्रयागराज महाकुंभ के दौरान फरवरी में 42 ट्रेनें रहेंगी निरस्त

**प्रयागराज (एजेंसी)।** प्रयागराज कुंभ के दौरान फरवरी में भी यात्रा पर संकट रहेगा। मुरादाबाद रेल मंडल के बालामऊ स्टेशन पर यार्ड रिमॉडलिंग, प्री इंटरलॉकिंग और नॉन इंटरलॉकिंग कार्यों के बीच 19 फरवरी तक मेगा ब्लॉक लिया जाएगा। इस दौरान बरेली होते हुए गुजरने वाली 42 ट्रेनों को अलग-अलग तारीखों में निरस्त कर दिया गया है। छह ट्रेनों को मार्ग बदलकर और छह अन्य को देरी से चलाया जाएगा।

कोहरे के कारण एक दिसंबर से 28 फरवरी तक बरेली होते हुए गुजरने वाली 18 ट्रेनें पहले से निरस्त चल रही हैं। ऐसे में बाकी ट्रेनों पर दबाव बढ़ा हुआ है। अब तक बरेली होते हुए महाकुंभ विशेष ट्रेनों की समय सारिणी भी जारी नहीं की गई है। ऐसे में 42 ट्रेनों को निरस्त और सात का मार्ग परिवर्तन किए जाने के कारण यात्रा पर संकट बढ़ जाएगा।

जिन ट्रेनों को निरस्त किया गया है उनमें सीट बुक कराने वाले यात्रियों को रेलवे यात्रा तिथि से पहले रिफंड कर देगा। रिफंड मिलने के बाद ऐसे लोगों की समस्या बढ़ जाएगी जिनको कन्फर्म टिकट मिल गया था। अब उनको फिर से कन्फर्म टिकट के लिए जद्दोजहद करनी होगी।

**● इन ट्रेनों का बदला गया मार्ग**

12203-04 सहरसा-अमृतसर गरीब रथ नौ से 17 फरवरी तक गोरखपुर, सीतापुर, शाहजहांपुर के रास्ते चलाई जाएगी। 12557-58 मुजफ्फरपुर-आनंद विहार एक्सप्रेस 15 से 18 फरवरी तक गोंडा, सीतापुर, शाहजहांपुर के रास्ते चलाई जाएगी। 14241-42 नौचंदी एक्सप्रेस 14 से 18 फरवरी तक लखनऊ, कानपुर, खुर्जा, हापुड़ के रास्ते चलाई जाएगी।

**● इनको किया निरस्त**

22489-90 मेरठ-लखनऊ वंदे भारत एक्सप्रेस सात से 19 फरवरी, 22453-54 राज्यरानी एक्सप्रेस, 14235-36 वाराणसी-बरेली एक्सप्रेस, 15128-27 काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस, 15011-12 लखनऊ-चंडीगढ़ एक्सप्रेस 14 से 19 फरवरी तक निरस्त रहेगी।

15119-20 वाराणसी-देहरादून एक्सप्रेस 14 से 17 फरवरी, 15624-23 कामाख्या एक्सप्रेस 14 व 18 फरवरी, 13005-06 हावड़ा-अमृतसर एक्सप्रेस 12 से 18 फरवरी, 12355-56 पटना-जम्मूतवी अर्चना एक्सप्रेस 15 व 16 फरवरी, 22355-56 पाटलिपुत्र-चंडीगढ़ एक्सप्रेस 17 व 18 फरवरी को निरस्त रहेगी।

20939-40 साबरमती एक्सप्रेस को 18 व 19 फरवरी, 13307-08 गंगा सतलुज एक्सप्रेस को 12 से 18 फरवरी, 12469-70 कानपुर सेंट्रल-जम्मूतवी सुपरफास्ट को 31 दिसंबर से 19 फरवरी, 22445-46 कानपुर-अमृतसर साप्ताहिक को 30 दिसंबर से 18 फरवरी तक के लिए निरस्त किया गया है।

14004-03 मालदा टाउन एक्सप्रेस 13 से 18 फरवरी, 22541-42 वाराणसी-आनंद विहार गरीब रथ 16 व 17 फरवरी, 15002-01 मुजफ्फरपुर-देहरादून एक्सप्रेस 15 व 17 फरवरी, 15005-06 गोरखपुर-देहरादून एक्सप्रेस 15 व 18 फरवरी को निरस्त रहेगी।

13019-20 बाघ एक्सप्रेस 13 से 20 फरवरी, 12231-32 लखनऊ-चंडीगढ़ एक्सप्रेस 14 से 18 फरवरी, 15715-16 किशनगंज-अजमेर एक्सप्रेस 14 से 20 फरवरी तक निरस्त कर दी गई है।

**● देरी से चलाई जाएंगी ये ट्रेनें**

15073 सिंगरौली-टनकपुर त्रिवेणी एक्सप्रेस 18 फरवरी को तीन घंटे, 15098 अमरनाथ एक्सप्रेस 90 मिनट देरी से चलाई जाएगी। 15075 शक्तिनगर-टनकपुर त्रिवेणी एक्सप्रेस 14 से 17 फरवरी तक तीन घंटे देरी से चलाई जाएगी। 13151-52 कोलकाता-जम्मूतवी एक्सप्रेस 18 फरवरी को 30 मिनट, 15623 कामाख्या एक्सप्रेस 11 फरवरी को 30 मिनट देरी से चलाई जाएगी।

**● मथुरा कैंट से जंक्शन के बीच निरस्त रहेगी टनकपुर-मथुरा विशेष ट्रेन**

टनकपुर-मथुरा विशेष ट्रेन विस्तार की अवधि में मथुरा कैंट से मथुरा जंक्शन के बीच निरस्त रहेगी। 05062-63 टनकपुर-मथुरा जंक्शन-टनकपुर विशेष ट्रेन का बृहस्पतिवार को ही 31 मार्च 2025 तक के लिए विस्तार किया है। विस्तार अवधि के दौरान यह ट्रेन टनकपुर से मथुरा जंक्शन के स्थान पर मथुरा कैंट तक ही चलाई जाएगी।

## पृष्ठ एक के शेष....

**अधर में लटका जापानी...**

एक बड़ा हॉल बनवाया जाएगा। इसके अलावा पूरे पार्क में 6 हट, जॉगिंग ट्रैक बनवाया जाएगा। खास बात यह होगी यह पार्क तीन तरफ से खुला हुआ है। इसलिए दो तरफ पार्क के अंदर ही ओपन पार्किंग बनवाई जाएंगी। इसकी लागत करीब 18 करोड़ रुपये अनुमानित है। यह पार्क ओखला पक्षी विहार मेट्रो स्टेशन के पास होगा। सेक्टर-62 डी-पार्क को नोएडा प्राधिकरण नए सिरे से संवारेगा। पार्क में प्रवेश के लिए बड़ा प्रवेश द्वार बनाया जाएगा। यहां पर क्योस्क व फूड कोर्ट भी होंगे। इसके साथ ही अंदर तितलियों के ठिकाने (बटर फ्लाई डोम) व झील को भी नए सिरे से संवारा जाएगा।

**नोएडा-ग्रेटर नोएडा...**

पश्चिमी विक्षोभ के कारण पहाड़ से मैदान तक इन दिनों बारिश हो रही है, जिससे ठंड और गलन दोनों बढ़ गई है, लेकिन फसलों के लिए यह मौसम अमृत समान है। किसानों को अब फसलों की सिंचाई नहीं करनी पड़ेगी। सरसों की अगेती फसल को थोड़ा नुकसान हो सकता है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार, किसानों को ध्यान देना होगा कि खेत में पानी जमा न हो। अगर बारिश लगातार हुई और खेत में पानी जमा रहा तो नुकसान हो सकता है।

**हॉस्टल की कैंटीन...**

चारों ने उसके साथ मारपीट की तथा विरोध करने पर आरोपियों ने उसके सर पर तमंचे की बट मार कर घायल कर दिया। घायल करने के बाद आरोपी पुलिस में शिकायत दर्ज कराई जाने पर जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

**ऑटो सवार होकर चोरी...**

एस प्लेटटिनम तिराहे पर वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। इस दौरान पुलिस टीम ने एक ऑटो में सवार दो संदिग्ध व्यक्तियों को रोकने का इशारा किया। पुलिस को देखकर चालक ने ऑटो दौड़ा दिया। पुलिस कर्मियों द्वारा पीछा करने पर ऑटो सवार बदमाशों ने जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश के पैर में गोली लगी इसके बाद घायल बदमाश का दूसरा साथी मौके से फरार हो गया। पुलिस ने घायल बदमाश को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने अपना नाम गौरव पुत्र नन्हे लाल निवासी ग्राम शाही जनपद पीलीभीत बताया। पुलिस ने मौके से एक ऑटो तमंचा कारतूस तथा चोरी की तीन घटनाओं से संबंधित ताला तोड़ने का सरिया बरामद किया। पकड़े गए गौरव ने अपने फरार साथी का नाम सूरज बताया।

एडीसी पीने बताया कि दोनों बदमाश क्षेत्र में चोरी की घटनाओं को अंजाम देते हैं। दोनों बदमाश ऑटो में सवार होकर चोरी करते थे। फरार बदमाश की तलाश की जा रही है।

**दैनिक चेतना मंच**
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

# जेवर विधायक ने सेक्टर-37 स्थित खेल परिसर का किया दौरा

**ग्रेटर नोएडा।** सेक्टर-37 में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की ओर से जोनल स्पोर्ट्स कांप्लेक्स बनाया हुआ है। लेकिन स्टेडियम में खिलाड़ियों को किसी भी प्रकार की खेल सुविधाएं नहीं मिल रही है। जिसके कारण खिलाड़ियों को तैयारियों के लिए इधर उधर दूसरे जिलों में भटकना पड़ रहा है। स्टेडियम की स्थिति का जायजा लेने के लिए शुक्रवार को जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने प्राधिकरण अधिकारियों के साथ स्टेडियम का दौरा किया।

विधायक ने अधिकारियों को यहां पर हॉकी एस्ट्रो टर्फ स्टेडियम व रनिंग ट्रैक बनाने के निर्देश दिए है। जिला हॉकी एसोसिएशन के उपाध्यक्ष हरेंद्र भाटी ने बताया कि विधायक धीरेंद्र सिंह ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की एसीईओ लक्ष्मी सिंह, डीजीएम रविंद्र सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक नागेंद्र सिंह, जिला हॉकी एसोसिएशन महासचिव सरदार मंजीत सिंह, कोषाध्यक्ष मनोज गर्ग आदि के साथ सेक्टर-37 खेल परिसर का दौरा किया। विधायक ने यहां की स्थिति को समझा और प्राधिकरण के अधिकारियों को परिसर में जल्द से जल्द हॉकी एस्ट्रो टर्फ स्टेडियम व मैदान के चारों ओर सिंथेटिक रनिंग ट्रैक बनाने के निर्देश दिए है। एसीईओ लक्ष्मी सिंह ने टेंडर पास कर हॉकी व रनिंग ट्रैक के निर्माण का आश्वासन दिया है।

# साइड न मिलने पर ब्रेजा कार में सवार युवकों ने जमकर की मारपीट

**ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।** थाना एक्सप्रेसवे क्षेत्र के एक्सप्रेसवे पर साइड न मिलने से गुस्साए ब्रेजा कार सवार युवकों ने कार को रुकवाकर दो दोस्तों के साथ मारपीट की। मारपीट के बाद कार सवार मौके से फरार हो गए।

थाना एक्सप्रेसवे में दर्ज कराई रिपोर्ट में सेक्टर 105 निवासी सिद्धांत चौधरी ने बताया कि वह 16 दिसंबर की रात्रि को ग्रेटर नोएडा से प्रोग्राम कर एक्सप्रेस वे के रास्ते अपने घर आ रहे थे। इस दौरान पीछे आ रही ब्रेजा कर को साइड नहीं मिली। इस बात से गुस्सा होकर ब्रेजा कर सवार युवकों ने ओवरटेक कर उनकी कार को रुकवा लिया। कार रुकते ही उन्होंने गाली गलौज शुरू कर दी। सिद्धांत चौधरी के मुताबिक उसने जब गाली देने का विरोध किया तो कार सवारी युवकों ने उनके साथ लाठी डंडों से मारपीट की। इस दौरान उसके दोस्त आतिश ने जब उसे बचाने का प्रयास किया तो उसके साथ भी मारपीट की गई।

पीड़ित के मुताबिक इस दौरान उसका मोबाइल फोन भी गुम हो गया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश कर रही है।

**खास खबर**

### बढ़ रहा क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म का आकर्षण

**नई दिल्ली।** त्वरित डिलीवरी सुविधाओं के माध्यम से ऑनलाइन खरीदारी का माहौल बदल रहा है। क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर लोग अब सिर्फ खाद्य आइटम नहीं बल्कि अन्य उत्पादों की भी खरीदारी कर रहे हैं। स्विगी इंस्टामार्ट की रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली और देहरादून के ग्राहकों ने प्रति दिन औसतन 20 लाख रुपये से अधिक की खरीदारी की है। वैलेंटाइन्स डे पर गुलाब फूल के 307 ऑर्डर प्रतिमिनट आने वाले हैं। दिवाली के दिन भी 45 लाख रुपये से अधिक की झाडू की बिक्री हुई। रक्षा बंधन के दौरान 8,00,000 राखियों के ऑर्डर प्लेस किए गए। देशभर में दूध, दही, डोसा बैटर, चिप्स, और सॉफ्ट ड्रिंक जैसे उत्पादों की खरीदारी में वृद्धि हुई है। विशेष रूप से दिल्लीवाले ने इंस्टेंट नूडल्स पर 60 करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

### कॉनकार्ड एनवायरो के शेयर की धमाकेदार शुरूआत

**नई दिल्ली।** पर्यावरण इंजीनियरिंग समाधान उपलब्ध कराने वाली कंपनी कॉनकार्ड एनवायरो सिस्टम्स लिमिटेड के शेयर ने शुक्रवार को बाजार में धमाकेदार शुरूआत की। निर्गम मूल्य 701 रुपये के करीब 19 फीसदी की बढ़त के साथ शेयर बीएसई पर सूचीबद्ध हो गया। शेयर के मूल्य में शुक्रवार को 18.68 फीसदी की वृद्धि के साथ 832 रुपये पर बीएसई पर सूचीबद्ध होने के बाद, उसने बाजार में अपनी हुंकार बुलंदी पर पहुंचते हुए 849.50 रुपये तक पहुंच गया। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 1,764.97 करोड़ रुपये था। कंपनी ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के दौरान अच्छा प्रदर्शन किया और आईपीओ के मूल्य दायरा 665 से 701 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था।

### तीसरी तिमाही में बढ़ेगी अर्थव्यवस्था की रफ्तार

**नई दिल्ली।** नई चुनौतियों के बीच आर्थिक वृद्धि को बनाए रखने के लिए सभी संबंधित पक्षों को मिलकर काम करने की जरूरत है। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर बेहतर रहने की उम्मीद है। वित्त मंत्रालय ने एक मासिक रिपोर्ट जारी कर कहा कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में नरमी के बाद तीसरी तिमाही का परिदृश्य बेहतर दिखाई दे रहा है। इसका पता अक्टूबर व नवंबर के लिए महत्वपूर्ण आंकड़ों (जीएसटी संग्रह, पीएमआई आदि) से चलता है। इसके अलावा ग्रामीणमांग मजबूत है। अक्टूबर–नवंबर, 2024 में दोपहिया–तिपहिया वाहनों की बिक्री 23.2 फीसदी बढ़ी है। ट्रैक्टर और यात्री वाहनों की बिक्री में क्रमश: 9.8 फीसदी व 13.4 फीसदी तेजी रही है।

### सैमसंग, श्याओमी, मोटोरोला के शेयर में तेजी

**मुंबई।** सैमसंग, श्याओमी, मोटोरोला के लिए स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनी के शेयर में तेजी देखी जा रही है। डिक्सन टेक्नोलॉजीज सैमसंग, श्याओमी, मोटोरोला, ओप्पो, ट्रांसशन, गूगल और नथिंग सहित लगभग सभी टॉप ब्रांड के लिए स्मार्टफोन बनाती है। नए जॉइंट वेंचर के तहत डिक्सन अब वीवो के लिए भी स्मार्टफोन बनाएगी। डिक्सन टेक्नोलॉजी के शेयर शुक्रवार को 18,244.00 रुपए के लेवल पर खुले और 18,608.65 रुपए के उच्च स्तर पर पहुंच गए हैं।

### सोने और चांदी की कीमतों में उछाल

**नई दिल्ली।** सोने–चांदी के वायदा कारोबार में शुक्रवार को तेजी देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव शुक्रवार को तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 76,900 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 89,900 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोना सुस्ती और चांदी तेजी के साथ कारोबार कर रही हैं। सोने के वायदा भाव की शुरूआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रेक्ट 101 रुपये की गिरावट के साथ 76,928 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 73 रुपये की तेजी के साथ 76,900 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 179 रुपये की तेजी के साथ 89,815 रुपये पर खुला।

## आखिरी दिन के कारोबार में शेयर बाजार में तेजी, मजबूती के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

# निवेशकों को 38 हजार करोड़ का मुनाफा

एजेंसी

**नई दिल्ली।** सप्ताह के आखिरी कारोबार दिन घरेलू शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहा। आज के कारोबार की शुरूआत भी मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलने के थोड़ी देर बाद खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों में जोरदार तेजी आई हुई नजर आई। हालांकि पहले घंटे का कारोबार होने के बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक ऊपरी स्तर से फिसल गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.29 प्रतिशत और निफ्टी 0.27 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। दिनभर के कारोबार के दौरान ऑटोमोबाइल और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में जम कर खरीदारी होती रही। इसके साथ ही बैंकिंग, आईटी,

एफएमसीजी, हेल्थकेयर और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर रियल्टी, इंफ्रास्ट्रक्चर और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली होती रही। इसके साथ ही पीएसई, ऑयल एंड गैस, मेटल, कंज्यूमर ड्यूरेबल और कैपिटल गुड्स इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में आज मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.08 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 35 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन कारोबार के बाद बढ़ कर 442.39 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 442.01 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को कारोबार से करीब 38 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,081 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,944 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,024 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 113 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,501 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,268 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,233 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 20 शेयर बढ़त के साथ और 10 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 29 शेयर हरे निशान में और 21 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 135.14 अंक की मजबूती के साथ 78,607.62 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होने के थोड़ी देर बाद खरीदारी का सपोर्ट मिलने की वजह से इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से सुबह 10:30 बजे के करीब ये सूचकांक 570.67 अंक की मजबूती के साथ 79,043.15 अंक तक पहुंच गया, लेकिन इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई। मुनाफा वसूली के चक्कर में बिकवाली का दबाव बनने की वजह से ये सूचकांक लगातार नीचे गिरता चला गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 226.59 अंक की बढ़त के साथ 78,699.07 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

### रुपया आठ पैसे की गिरावट के साथ 85.35 पर

**मुंबई।** अमेरिकी मुद्रा के मजबूत रुख और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी के बीच रुपया शुक्रवार को शुरूआती कारोबार में आठ पैसे टूटकर अपने सर्वकालिक निचले स्तर 85.35 पहुंच गया। विश्लेषकों के अनुसार महीने तथा साल के अंत में भुगतान दायित्वों के लिए आयातकों द्वारा डॉलर की बढ़ती मांग से डॉलर को मजबूती मिली जिससे स्थानीय मुद्रा पर दबाव पड़ा। हालांकि, वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और घरेलू बाजारों से सकारात्मक संकेतों ने भारतीय मुद्रा की गिरावट को सीमित कर दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया कमजोर रुख के साथ 85.31 प्रति डॉलर पर खुला। शुरूआती सौदों के बाद 85.35 प्रति डॉलर के अपने नए सर्वकालिक निचले स्तर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से आठ पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया गुरुवार को 12 पैसे की गिरावट के साथ 85.27 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दशार्ने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 प्रतिशत की बढ़त के साथ 107.93 पर रहा।

## सरकार ने हिंडाल्को इंडस्ट्रीज को कोयला खदान के लिए आवंटन आदेश जारी किया

एजेंसी

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार ने आदित्य बिड़ला समूह की कंपनी हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड को ओडिशा स्थित कोयला खदान के लिए आवंटन आदेश जारी किया है। मीनाक्षी कोयला खदान के लिए यह आदेश जारी किया गया है, जिसकी अधिकतम रेटिंग क्षमता 12 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) है। कोयला मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड को मीनाक्षी कोयला खदान के लिए आदेश जारी किया गया है। यह 22 नवंबर, 2024 को कोयला खदान विकास और उत्पादन समझौते (सीएमडीपीए) पर हस्ताक्षर करने के बाद हुआ है। मंत्रालय के मुताबिक मीनाक्षी कोयला खदान, खान और खनिज विकास एवं विनियमन अधिनियम (एमएमडीआर) के तहत खोजी गई खदान है।

## कलाकारों ने वर्ष 2025 के लिए लिया संकल्प

एजेंसी

**मुंबई।** जैसे-जैसे 2025 करीब आ रहा है, सोनी सब के कलाकार अपनी आकांक्षाओं पर विचार कर रहे हैं और नए साल के लिए दिल से संकल्प साझा कर रहे हैं। व्यक्तिगत विकास को प्राथमिकता देने से लेकर नए रचनात्मक उपक्रमों की खोज करने तक अभिनेताओं ने प्रेरक लक्ष्य निर्धारित किए हैं। वागले की दुनिया में अपनी भूमिका के लिए मशहूर परिवा प्रणति, पुष्पा इम्पॉसिबल में अश्विन की भूमिका निभाने वाले नवीन पंडिता और दीप्ति की भूमिका निभाने वाली गरिमा परिहार ने आने वाले साल के लिए अपने विचार साझा किए हैं। ये संकल्प कलाकारों की

व्यक्तिगत विकास के प्रति प्रतिबद्धता और स्क्रीन से परे दर्शकों को प्रेरित करने की उनकी इच्छा को दशार्ते हैं, जिससे 2025 सकारात्मकता, विकास और सार्थक संबंधों का साल बन जाता है। पुष्पा इम्पॉसिबल में दीप्ति का किरदार निभाने वाली गरिमा परिहार, पुष्पा इम्पॉसिबल में अश्विन पटेल का किरदार निभाने वाले नवीन पंडिता, वागले की दुनिया में वंदना वागले की भूमिका निभाने वाली परिवा प्रणति ने कहा, 'आने वाले साल में मेरा लक्ष्य अच्छा काम करना, ढेर सारी कहानियाँ लिखना, अपने परिवार की भलाई सुनिश्चित करना और जानवरों की सेवा करना है। खुश और सकारात्मक रहना भी मेरी योजना का एक बड़ा हिस्सा है।

## एचडीएफसी इर्गो ने रबी सीजन में किसानों के लिए बिरसा प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना लागू की

**रांची।** भारत में निजी क्षेत्र की अग्रणी जनरल इंश्योरेंस कंपनी, एचडीएफसी इर्गो जनरल इंश्योरेंस कंपनी को झारखंड सरकार ने रबी 2024 सीजन के लिए पूर्वी सिंहभूम, गढ़वा, कोडरमा, लोहरदगा, पलामू, रामगढ़, साहेबगंज और पश्चिमी सिंहभूम जिलों में ऋणी और गैर-ऋणी किसानों के लिए बिरसा प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना (बी-पीएमएफबीवाई) लागू करने के लिए अधिकृत किया है।बी-पीएमएफबीवाई योजना में किसानों को सूखा, बाढ़, अकाल, लैंडस्लाइड, चक्रवात, तूफान, तूफानी बारिश, सैलाब, कीटों, बीमारियों और अन्य बाहरी खतरों के कारण फसल को होने वाले नुकसान से बीमा की सुरक्षा मिलती है। फसल के नुकसान का आकलन करने के लिए, राज्य सरकार इस योजना के लिए अधिसूचित क्षेत्रों में अधिसूचित फसलों पर फसल कटाई प्रयोग (सीसीई) की योजना बनाकर संचालन करेगी। यदि संचालित किए गए सीसीई में पैदावार के आँकड़े कम पाए जाते हैं, तो माना जाएगा कि फसल का नुकसान हुआ है।

## हाइसेंसे के साथ होम एंटरटेनमेंट की अगली जनरेशन का अनुभव लें

**रांची।** हाइसेंस, जो उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स में एक अग्रणी वैश्विक ब्रांड है, ने आज कोलकाता के आईटीसी रॉयल बंगाल में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में अपने 120-इंच लेजर टीवी को ईस्ट इंडिया के लिए लॉन्च किया। यह लॉन्च क्षेत्र में हाइसेंस की महत्वाकांक्षी विकास रणनीति का एक अहम कदम है और भारतीय ग्राहकों को अत्याधुनिक तकनीक प्रदान करने की कंपनी की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। लेजर टीवी, जिसमें हाइसेंस की पेटेंटेड ट्राइक्रोमा लेजर तकनीक शामिल है, के लॉन्च से, कंपनी अपने आश्चर्यजनक दृश्यों

और इमर्सिव साउंड के साथ होम एंटरटेनमेंट को फिर से परिभाषित करने की उम्मीद रखता है। डॉल्बी विजन, डॉल्बी एटमॉस और उन्नत एआई- संचालित वास्तविक समय अनुकूलन के साथ संयुक्त120 एम्बिएंट लाइट रिजेक्शन (एएलआर) स्क्रीन, पूर्वी भारत में उपभोक्ताओं के लिए एक अद्वितीय सिनेमाई अनुभव प्रदान करती है। हाइसेंस के लेजर टीवी ने पहले ही लेजर टीवी सेगमेंट में नंबर 1 ब्रांड के रूप में वैश्विक पहचान हासिल कर ली है, और कोलकाता में यह लॉन्च भारतीय बाजार में इसके विस्तार के लिए मंच तैयार करता है।

### कोयला सेक्टर में 2025 में अनेक गतिविधियां की संभावना

**नई दिल्ली।** कोयला सेक्टर में आगामी वर्ष 2025 में भारत में कई महत्वपूर्ण गतिविधियां होने की संभावना है। इसमें सरकार की कोल एक्सचेंज की शुरूआत सहित अनेक पहल सम्मिलित हैं। कोयले के व्यापार को सुगम बनाने के लिए एक कोल एक्सचेंज की शुरूआत की जा रही है, जिससे अर्थव्यवस्था की मांग पूरी की जा सके। कोयला गैसीकरण क्षेत्र में भी सरकार अधिक काम करने की योजना बना रही है, क्योंकि यह ऊर्जा बदलाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कोयले की मांग के बढ़ने के साथ, कोयले अतिरिक्त सचिव ने बताया कि सरकार कोयले के उत्पादन को बढ़ाने के लिए प्रयासरत है।

## अर्थूड सर्विसेज ने सेबी के समक्ष डीआरएचपी दाखिल किया

एजेंसी

**मुंबई/नई दिल्ली।** गुरुग्राम स्थित सेवा कंपनी अर्थूड सर्विसेज लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। सेबी के समक्ष जमा दस्तावेज के मुताबिक अर्थूड सर्विसेज लिमिटेड के 10 रुपये अंकित मूल्य वाले इस आईपीओ में 36 लाख इक्विटी शेयरों तक का नया इश्यू और प्रमोटर-सेलिंग शेयरधारकों के 42 लाख इक्विटी शेयरों की बिक्री का प्रस्ताव शामिल है। कंपनी के बिक्री प्रस्ताव में

शेयरधारक डॉ. कविराज सिंह के 27.30 लाख इक्विटी शेयर और अशोक कुमार गौतम के 14.70 लाख इक्विटी शेयर हैं। गुरुग्राम स्थित सेवा कंपनी अर्थूड सर्विसेज लिमिटेड के आईपीओ प्रस्ताव में बोली लगाने वाले पात्र कर्मचारियों को छूट दी जा रही है। इस नए निर्गम से प्राप्त 30 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग कंपनी बौद्धिक संपदा, समाधानों के विकास एवं व्यावसायीकरण और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के माध्यम से तकनीकी क्षमताओं को मजबूत तथा वित्तपोषण आवश्यकताओं के लिए करेगी। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2012 में स्थापित और डॉ. कविराज सिंह और अशोक कुमार गौतम द्वारा प्रवर्तित अर्थूड सर्विसेज लिमिटेड कंपनी को ऊर्जा, पर्यावरण तथा जलवायु परिवर्तन क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल है।

## लाइम झटका के सह-संस्थापक रितेश अग्रवाल और विक्रम शर्मा स्टार्टअप अवार्ड से सम्मानित

**रांची।** मध्य प्रदेश के इंदौर में आयोजित न्यू एज स्टार्टअप्स के एक विशेष समारोह में लाइम झटका के सह-संस्थापक रितेश अग्रवाल और विक्रम शर्मा को स्टार्टअप अवाड्र्स से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार भारत के नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू द्वारा प्रदान किया गया। रितेश और विक्रम की सफलता की कहानी दूरदर्शिता और दृढ़ संकल्प की शक्ति का प्रमाण है। बंगाल के छोटे शहरों से आने वाले, उन्होंने दिखाया है कि मामूली शुरूआत से भी बड़े सपने देखे जा सकते हैं। उनकी यात्रा आकांक्षाओं को वास्तविकता में बदलने में समर्पण और धैर्य के महत्व पर प्रकाश डालती है। इस मान्यता के बारे में रितेश और विक्रम ने कहा, 'हमारा उद्देश्य कुछ ऐसा बनाना था जो भारतीय संस्कृति का स्वाद और गुणवत्ता सामने लाए।'पूर्वी राज्यों में लाइम झटका ने रिकॉर्ड तोड़ बिक्री हासिल की और नए बाजारों में उपस्थिति बढ़ाई। लाइम झटका की खासियत इसका स्वाद है। भारतीय मसालों और हर्बल सामग्री का अनूठा मिश्रण ब्रांड को प्रतिस्पर्धी बाजार में अलग खड़ा करता है।

## उद्यमिता और महिलाओं की भूमिका में बढ़ोतरी

❖ 1,57,066 स्टार्टअप्स में से लगभग आधे की कमान महिला निदेशकों के हाथों में

एजेंसी

**मुंबई।** भारतीय वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने हाल ही में घोषणा की कि देश में उद्यमिता और नवाचार की दुनिया में भारत का मुकाबला हो रहा है। इस में महिलाओं का महत्वपूर्ण योगदान है, और इसी दिशा में कदम बढ़ाए जाने का संकेत दिया गया

है। मंत्रालय ने इस बात की जानकारी दी कि स्टार्टअप इंडिया पहल द्वारा मान्यता प्राप्त 1,57,066 स्टार्टअप्स में से लगभग आधे का प्रतिनिधित्व महिला निदेशकों के साथ है। भारत ने नवाचार और उद्यमिता के क्षेत्र में दुनिया को अपनी मौजूदगी के साथ परिचित कराया है। वैज्ञानिक और तकनीकी उत्पादों के उत्पन्न केंद्र के रूप में भारत एक मान्यता प्राप्त गांव बन गया है, जो नए आविष्कारों को बढ़ावा देने के साथ-साथ आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। पिछले कुछ वर्षों में, भारत में उद्यमिता की भावना में विशेष बदलाव आया है। बेंगलुरु, हैदराबाद, मुंबई और दिल्ली-एनसीआर जैसे शहर इनोवेशन के केंद्र बन गए हैं, और युवा उद्यमिता के साथ किफायती इंटरनेट की व्यापकता ने विभिन्न क्षेत्रों में स्टार्टअप्स के विकास को मजबूत किया है। सरकार द्वारा उद्यमिता को समर्थन के लिए कई पहलुओं की शुरूआत की गई है। स्टार्टअप इंडिया कार्यक्रम के माध्यम से, देश में स्टार्टअप्स की ताकत को बढ़ावा दिया गया है और वित्तीय सहायता के लिए कई कार्यक्रमों की शुरूआत की गई है।

### एयर इंडिया में बदलाव के प्रयास : कैंपबेल विल्सन

**नई दिल्ली।** एयर इंडिया के प्रमुख कैंपबेल विल्सन ने शुक्रवार को एक बड़ा आलोचनात्मक बयान जारी किया, जिसमें उन्होंने दावा किया कि कंपनी में 2025 तक विभिन्न प्रमुख पहलों पर प्रगति देखने को मिलेगी। इसके अंतर्गत चौड़े तथा छोटे आकार के विमानों की मरम्मत भी शामिल है। ताजा सूचनाओं के अनुसार, टाटा समूह ने एयर इंडिया को हाल ही में खरीदा और अब कंपनी को पटरी पर लाने के लिए महत्वाकांक्षी परिवर्तन योजना पर काम कर रहा है। जिसके तहत इसने हाल ही में 100 विमानों के लिए भी ऑर्डर दिया है। विल्सन ने कर्मचारियों को 2024 में होने वाली महत्वपूर्ण उपलब्धियों के बारे में संदेश दिया और कहा कि हमारा उद्देश्य है कि एयर इंडिया 2024 में प्रमुख परिवर्तनों में एक अग्रणी भूमिका निभाएगा।

## मैच फिक्सिंग- द नेशन एट स्टेक से फिल्म निर्माण की दुनिया में कदम रखेंगी पल्लवी गुर्जर

**मुंबई।** मनोरंजन उद्योग और थिएटर में 20 से अधिक वर्षों से अनुभवी पल्लवी गुर्जर, राजनीति के परिणामस्वरूप भारत भर में बम विस्फोटों की एक श्रृंखला के दौरान हुई घटनाओं की पुनरावृत्ति के साथ अपने निर्देशन की शुरूआत कर रही हैं। वह 2 दशकों से अधिक समय से मनोरंजन उद्योग में हैं और उन्होंने हेमा मालिनी, लिलेट दुबे और अनुपम खेर जैसी प्रसिद्ध हस्तियों के साथ काम किया है। इसके अलावा, वह अब मैच फिक्सिंग- द नेशन एट स्टेक के साथ फिल्म निर्माण की दुनिया में एक प्रमुख प्रवेश करने के लिए पूरी तरह तैयार है। वह थिएटर और मनोरंजन उद्योग के लिए एक कंसल्टेंसी आर्ट एरेना की संस्थापक निदेशक हैं और उनके नाम पर कई प्रशंसित परियोजनाएं हैं जैसे 'मेरा वो मतलब नहीं था', 'डिनर विद फ्रेंड्स' आदि। 2003 में कंपनी शुरू करने के बाद से, अपने काम के प्रति उनके जुनून और मजबूत झुकाव और जिन लोगों के साथ वह काम करती हैं उनके प्रति उनके समर्पण के

कारण यह तेजी से बढ़ी है। मुंबई विश्वविद्यालय से अंग्रेजी साहित्य और मनोविज्ञान में स्नातक करने के बाद उनकी यात्रा शुरू हुई। उन्होंने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा से ड्रामा में डिप्लोमा किया और फिर 8 साल तक नेहरू सेंटर के कल्चर विंग में काम किया। इस योग्यता के साथ, उन्होंने उद्योग में निदेशक, रचनात्मक डिजाइनर और प्रबंधक, दृश्य और ग्राफिक डिजाइनर के रूप में कई भूमिकाएँ निभाई हैं। उनका गतिशील व्यक्तित्व उनके द्वारा की गई कई गतिविधियों में परिलक्षित होता है, जो केवल फिल्मों तक ही सीमित नहीं हैं बल्कि विभिन्न व्यावसायिक नाटक, बैले प्रस्तुतियां, नृत्य गायन और बहुत कुछ शामिल हैं। पल्लवी गुर्जर 'द गेम बिहाइंड सैफ्रन टेरर' किताब से प्रेरित थीं, जिसे के.एस. ने लिखा था। खटाना स्थिति का विश्लेषण करते हैं और बताते हैं कि कैसे राजनीति, व्यक्तिगत लाभ, धर्म और विनाश के बीच की रेखाएं धुंधली हो गई हैं। उनका मानना था कि भारतीय दर्शकों को आज की दुनिया में आम आदमी की आंखों के सामने पर्दे के पीछे जो कुछ होता है, उसका सच देखने की जरूरत है। पल्लवी कहती हैं, फिल्म इस बात की तीखी आलोचना पेश करती है कि कैसे राजनीति और सुरक्षा के बीच का खतरनाक अंतरसंबंध किसी देश की भलाई के लिए खतरा पैदा कर सकता है। फिल्म को टिके रखने के लिए पल्लवी को काफी मेहनत करनी पड़ी। इसके अलावा, एक याचिका के कारण उन्हें हस्तक्षेप करने के लिए मजबूर होना पड़ा, जिसमें दावा किया गया था कि फिल्म चल रहे मुकदमे की निष्पक्षता को प्रभावित करेगी। कई अखबारों ने अपने लेखों में इस मुद्दे को इस बात पर अनिश्चित दृष्टिकोण के साथ कवर किया कि फिल्म को रिलीज होने की अनुमति दी जाएगी या नहीं। मामले पर कुछ दिनों के सस्पेंस के बाद, टाइम्स अखबार में एनआईए ने जवाब दाखिल किया, निमार्ता सुनना चाहता है।

## डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर उद्योग जगत ने जताया शोक

एजेंसी

**नई दिल्ली।** पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर उद्योग जगत से जुड़े लोगों ने भी शोक व्यक्त किया और देश के आर्थिक उत्थान में उनकी भूमिका को सराहा है। टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर कहा कि सिंह उन दिग्गजों में से एक थे जिन्होंने एक नए उदारवादी भारत की कल्पना की थी, जो आज दुनिया में अपना उचित स्थान ले रहा है। चंद्रशेखरन ने अपने शोक संदेश में कहा कि दिवंगत डॉ. मनमोहन सिंह के प्रेरक नेतृत्व ने उन्हें दुनियाभर में सम्मान दिलाया। उन्होंने बयान में कहा, हम पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करते हैं, जो उन दिग्गजों में से एक थे जिन्होंने एक नए उदार भारत की

कल्पना की थी, जो दुनिया में अपना उचित स्थान ले रहा है। चंद्रशेखरन ने कहा कि डॉ. सिंह को हमेशा उनकी दूरदर्शी सोच तथा गहरी अंतर्दृष्टि के लिए याद किया जाएगा। वे हमेशा विनम्र रहे और अपने व्यक्तिगत मूल्यों को बनाए रखा। आदित्य बिड़ला समूह के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने अपने शोक संदेश में कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन से भारत ने अपने सबसे बड़े नेताओं और बेहतरीन अर्थशास्त्रियों में से एक को खो दिया है।

# सोमवती अमावस्या कब है, जानें पूजा का मुहूर्त और दान-पुण्य का महत्व

हिंदू धर्म में सभी तिथियों को महत्वपूर्ण माना गया है। वहीं अमावस्या तिथि का भी विशेष महत्व बताया गया है। सोमवार के दिन पड़ने के कारण इसे सोमवती अमावस्या कहा जाता है। इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा विधिवत रूप से करने का विधान है। इस दिन व्रत रखने और पूजा-पाठ करने से व्यक्ति के सुख-समृद्धि और सौभाग्य में वृद्धि हो सकती है। सोमवती अमावस्या के दिन स्नान-दान करने से व्यक्ति को पुण्य प्राप्ति होती है। अब ऐसे में इस साल की आखिरी अमावस्या तिथि कब पड़ रही है। पूजा का शुभ मुहूर्त क्या है और पूजा का महत्व क्या है।

## सोमवती अमावस्या कब है?

वैदिक पंचांग के हिसाब से इस साल की आखिरी अमावस्या तिथि पौष माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को पड़ने वाली है। इस साल यह तिथि 30 दिसंबर को पड़ने वाली है। आपको बता दें, 30 दिसंबर को सुबह 04 बजकर 01 मिनट से लेकर इस तिथि का समापन सुबह 03 बजकर 56 मिनट पर होगा। इसलिए उदया तिथि के आधार पर इस साल सोमवती अमावस्या का व्रत 30 दिसंबर को मनाया जाएगा।

## सोमवती अमावस्या के दिन पूजा का शुभ मुहूर्त कब है?

सोमवती अमावस्या के दिन स्नान ब्रह्म मुहूर्त में करना शुभ माना जाता है। ब्रह्म मुहूर्त प्रात: 5.24 से 6.19 बजे तक रहेगा। इस दौरान स्नान करना उत्तम फलदायी माना गया है।

भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा के लिए शुभ मुहूर्त - दोपहर 12 बजकर 03 मिनट से लेकर दोपहर 12 बजकर 45 मिनट तक है। इस दौरान अभिजीत मुहूर्त में भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा विधिवत रूप से करने से व्यक्ति को अक्षत फलों की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही सुखी दांपत्य जीवन का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है।

## सोमवती अमावस्या के दिन पूजा का महत्व

सोमवती अमावस्या के दिन भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा-अर्चना करने से व्यक्ति के वैवाहिक जीवन में आ रही परेशानियां दूर हो सकती है और सुख-समृद्धि में वृद्धि हो सकती है और जीवन में आ रही परेशानियां दूर हो जाती है। इसके अलावा अगर किसी व्यक्ति को मनचाहे वर की कामना है, तो वह भी इच्छा पूरी हो सकती है।

# सोमवती अमावस्या के दिन पीपल के पेड़ में क्या-क्या चढ़ाएं?

**हिंदू धर्म में सोमवती अमावस्या तिथि को बेहद महत्वपूर्ण माना गया है। इस दिन पीपल के पेड़ में क्या-क्या चढ़ाने से व्यक्ति को उत्तम परिणाम मिल सकते हैं।**

पंचांग के हिसाब से कुल 12 अमावस्या तिथि पड़ती है। इस दौरान विशेष रूप से पितरों की पूजा-अर्चना की जाती है। इस दिन स्नान-दान करने भी शुभ माना जाता है और व्यक्ति को पितृदोष से भी मुक्ति मिल जाती है। आपको बता दें, अमावस्या तिथि के दिन भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा-अर्चना करने से व्यक्ति को सुख-समृद्धि की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही जीवन में आने वाली सभी बाधाओं से भी छुटकारा मिल जाता है। अब ऐसे में सोमवती अमावस्या सोमवार के दिन पड़ रहा है, जिसके कारण इस दिन पीपल के पेड़ की पूजा करने की मान्यता है।

## पीपल के पेड़ में चढ़ाएं दूध

शास्त्रों में पीपल के पेड़ को मोक्षदायिनी माना गया है। ऐसा कहा जाता है कि पीपल के पेड़ में दूध चढ़ाने से व्यक्ति को सभी परेशानियों से छुटकारा मिल जाता है। अमावस्या के दिन दूध चढ़ाने से व्यक्ति को मनचाहे फलों की प्राप्ति हो सकती है। आपको बता दें, पीपल के पेड़ में सभी देवी-देवताओं का वास होता है और इस दिन पीपल के पेड़ में दूध अर्पित करने से व्यक्ति को ग्रहदोष से छुटकारा मिल जाता है और जीवन में आने वाली सभी समस्याएं भी दूर हो जाती है।

## पीपल के पेड़ में चढ़ाएं तिल

पीपल के पेड़ में तिल चढ़ाने से व्यक्ति को शनिदोष से छुटकारा मिल जाता है। पीपल के पेड़ में तिल चढ़ाने से सभी देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त होता है। साथ ही व्यक्ति को बैकुंठ की भी प्राप्ति होती है। आपको बता दें, तिल का संबंध पितरों से माना जाता है। इसलिए, पीपल के पेड़ में तिल चढ़ाने से पितृ दोष दूर होता है और पितरों का आशीर्वाद मिलता है। पीपल के पेड़ में तिल चढ़ाने से घर की नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

## पीपल के पेड़ में चढ़ाएं गुड़

पीपल के पेड़ में गुड़ चढ़ाना का भी विधान है। ऐसा कहा जाता है कि अगर आपको बार-बार किसी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, तो इससे अशुभ प्रभाव कम हो सकते हैं। शास्त्रों के अनुसार, शनिवार के दिन पीपल के पेड़ में गुड़ चढ़ाने से शनि दोष का प्रभाव कम होता है। शनि दोष के कारण व्यक्ति को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। गुड़ चढ़ाने से शनि देव प्रसन्न होते हैं और व्यक्ति को अपने आशीर्वाद देते हैं। साथ ही मनचाहे परिणाम भी मिलते हैं।

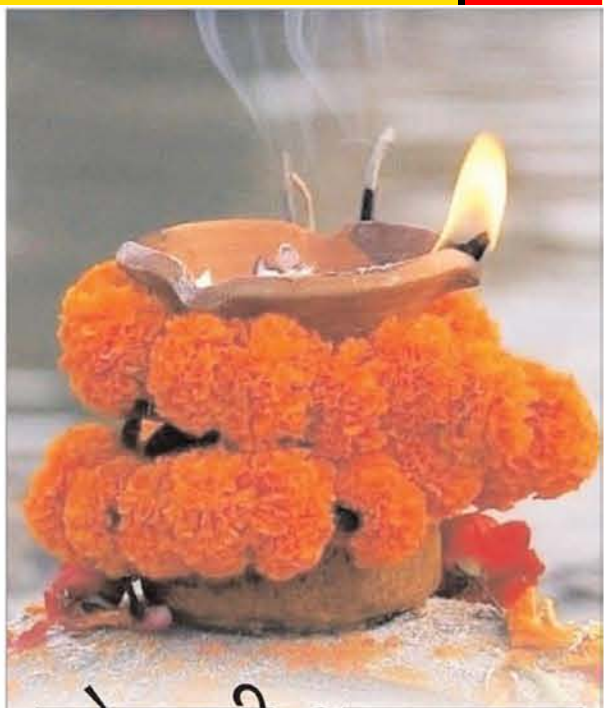

# सोमवती अमावस्या के दिन क्या दान करना चाहिए?

**पौष माह की अमावस्या यानी कि साल की आखिरी अमावस्या 30 दिसंबर, दिन सोमवार को पड़ने जा रही है। जहां एक ओर सोमवती अमावस्या के दिन पवित्र नदी में स्नान का विशेष स्थान मौजूद है तो वहीं, दूसरी ओर इस दिन दान करना भी बहुत हितकारी माना जाता है। ऐसे में ज्योतिषाचार्य ने बताया कि सोमवती अमावस्या के दिन कौन सी चीजों का दान करना चाहिए और क्या हैं उससे मिलने वाले लाभ।**

## सोमवती अमावस्या के दिन करें तिल का दान

तिल का संबंध शनि देव से माना जाता है। इसके अलावा, तिल का नाता पितरों से भी है। ऐसे में सोमवती अमावस्या के दिन तिल का दान करने से न सिर्फ शनि देव प्रसन्न होते हैं बल्कि पितरों का आशीर्वाद भी मिलता है और घर में सुख-समृद्धि आती है।

## सोमवती अमावस्या के दिन करें वस्त्र का दान

सोमवती अमावस्या के दिन काले वस्त्रों का दान करना बहुत शुभ माना जाता है। काले वस्त्रों का दान करने से घर या घर के सदस्यों को लगी बुरी नजर उतर जाती है। इसके अलावा, काले वस्त्रों का सोमवती अमावस्या के दिन दान करने से राहु मजबूत होता है।

## सोमवती अमावस्या के दिन करें गुड़ का दान

सोमवती अमावस्य के दिन गुड़ का दान करने से पारिवारिक क्लेश दूर होता है। अगर परिवार के सदस्यों के बीच किसी भी प्रकार का मतभेद है तो वह नष्ट हो जाता है और आपसी तालमेल, प्यार और विश्वास बढ़ता है। पारिवारिक शांति स्थापित होती है।

## सोमवती अमावस्या के दिन करें जूते का दान

सोमवती अमावस्या के दिन जूतों का दान करना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि जूतों का दान करने से घर में पसरी हुई धन की कमी दूर हो जाती है। इसके अलावा, घर में मौजूद नकारात्मक ऊर्जा भी नष्ट होने लगती है और सकारात्मकता बढ़ती है।

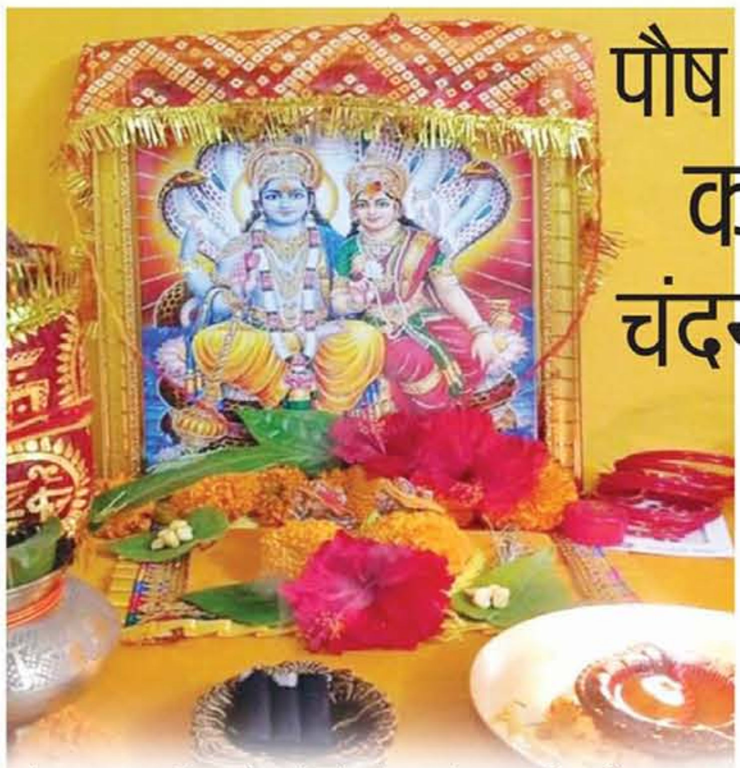

# पौष माह में भगवान विष्णु को पीला नहीं, लाल चंदन ही क्यों लगाते हैं?

पौष माह भगवान विष्णु को समर्पित है। पौष माह में भगवान विष्णु की पूजा का विधान है। ऐसा माना जाता है कि पौष माह में श्री हरि नारायण की आराधना करने से व्यक्ति के दुख दूर हो जाते हैं और भगवान विष्णु का सानिध्य प्राप्त होता है। वहीं, शास्त्रों में यह भी वर्णित है कि पौष माह के दौरान भगवान विष्णु का श्रृंगार करना भी शुभ होता है। हालांकि, यह भी उल्लेखित है कि पौष माह में भगवान विष्णु को पीला नहीं बल्कि लाल चंदन लगाना चाहिए। ऐसे में ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स से आइये जानते हैं कि क्यों पौष माह में लगाया जाता है श्री हरि विष्णु को लाल चंदन।

## पौष माह में भगवान विष्णु को लाल चंदन लगाने के लाभ

- पौष माह के दौरान भगवान विष्णु को लाल चंदन लगाने से सूर्य की कुंडली में स्थिति मजबूत होती है। सूर्य ग्रह के मजबूत होने से भाग्य का साथ मिलने लगता है। सौभाग्य में वृद्धि होती है और सफलता प्राप्ति में आ रही बाधाएं भी दूर हो जाती हैं। तरक्की के मार्ग खुलने लगते हैं।
- पौष माह में भगवान विष्णु को लाल चंदन लगाने से मंगल ग्रह की शुभता भी मिलती है। ऐसा इसलिए क्योंकि लाल रंग मंगल का प्रतीक माना जाता है। मंगल ग्रह के शुभ प्रभाव से मांगलिक कार्य, विशेष रूप से विवाह में आ रही बाधाएं या फिर वैवाहिक जीवन के दुख दूर होते हैं।
- पौष माह में भगवान विष्णु को लाल चंदन लगाना इसलिए भी शुभ माना जाता है क्योंकि इससे उन्हें अत्यधिक प्रसन्नता होती है। असल में लाल रंग मां लक्ष्मी का प्रिय है। मां लक्ष्मी का वास जहां होता है वहीं श्री हरि विराजते हैं। लाल चंदन विष्णु जी को लगाने से मां लक्ष्मी का वास बना रहता है।
- पौष माह में लाल चंदन भगवान विष्णु को लगाने से पितृ भी प्रसन्न होते हैं और उनका क्रोध शांत हो जाता है। भगवान विष्णु को पितरों का देवता माना गया है। ऐसे में पौष माह के दौरान लाल चंदन भगवान विष्णु को लगाने से पितृ दोष से भी राहत मिलती है और शुभ कार्य सफल होते हैं।

# शनि त्रयोदशी के दिन शनिदेव को क्या-क्या चढ़ाने से दूर हो सकती है साढ़ेसाती?

**हिंदू धर्म में सभी तिथियों में शनि त्रयोदशी का व्रत महत्वपूर्ण माना गया है। इस दिन शनिदेव की पूजा-अर्चना विधिवत रूप से करने का विधान है। आइए इस लेख में जानते हैं कि शनिदेव को क्या-क्या चढ़ाने से लाभ हो सकता है।**

हिंदू पंचांग के अनुसार,पौष माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि के दिन शनि त्रयोदशी का व्रत रखा जाता है। इस दिन विशेष रूप से शनिदेव और भगवान शिव की पूजा विधिवत रूप से करने का विधान है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन भोलेबाबा और शनिदेव की पूजा से व्यक्ति को सभी समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है और मनोवांछित फलों की प्राप्ति हो सकती है। आपको बता दें, इस साल शनि त्रयोदशी व्रत 28 दिसंबर को रखा जाएगा। इस दिन शनिदेव की पूजा गोधूलि बेला में करने का विधान है। ऐसा कहा जाता है कि अगर आपकी कोई मनोकामना है, जिसे आप पूरी करना चाहते हैं, तो इस दिन शनिदेव और भगवान शिव की पूजा पूजा ब्रह्म मुहूर्त में करें। अब ऐसे में शनि त्रयोदशी के दिन शनिदेव को क्या-क्या चढ़ाने से लाभ हो सकता है।

## शनिदेव का चढ़ाएं काले तिल

शनिदेव को काले तिल बेहद प्रिय है। ऐसा कहा जाता है कि शनिदेव को काले तिल चढ़ाने से व्यक्ति को पितृदोष से छुटकारा मिल सकता है और शनि की साढ़ेसाती और ढैय्या के अशुभ प्रभाव से मुक्ति मिल सकती है। एक पौराणिक कथा के अनुसार, जब हनुमान जी पर शनि की दशा चल रही थी, तब उन्होंने शनिदेव को तिल का तेल दिया था, जिससे शनिदेव की पीड़ा शांत हुई थी। तभी से शनिदेव को तिल का तेल और काले तिल चढ़ाने की परंपरा शुरू हुई।

## शनिदेव को चढ़ाएं सरसो तेल

शनि त्रयोदशी के दिन शनिदेव को सरसो का तेल चढ़ाएं। शनि दोष होने पर व्यक्ति को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। सरसों का तेल चढ़ाने से शनि दोष का प्रभाव कम होता है। इतना ही नहीं, अगर किसी जातक को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, तो शनिदेव को सरसो तेल जरूर चढ़ाएं।

## शनिदेव को चढ़ाएं काले चने

शनिदेव को काले चने की परंपरा प्राचीन समय से चली आ रही है। ऐसा कहा जाता है कि अगर किसी व्यक्ति को कार्यक्षेत्र में बार-बार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, तो काले चने शनि त्रयोदशी के दिन चढ़ाने से उत्तम परिणाम मिल सकते हैं और सुख-समृद्धि की भी प्राप्ति हो सकती है।

# क्या फिर साथ काम करेंगे आमिर खान और रणबीर कपूर? इस तस्वीर से तेज हुई अटकलें

इंटरनेट पर कई तरह की अटकलें अक्सर लगाई जाती हैं। वहीं, जब बात बॉलीवुड की होती है, तो ये और भी तेज हो जाती हैं। हाल ही में एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल होने लगी, जिसने नेटिजंस के बीच कयासों के बाजार को गर्म कर दिया है। इसे देखने के बाद लोग उम्मीद जता रहे हैं कि आमिर खान और रणबीर कपूर किसी प्रोजेक्ट के लिए साथ आ रहे हैं।

## तस्वीर की वजह से तेज हुई चर्चा

इस तस्वीर में रणबीर कपूर मिस्टर परफेक्शनिस्ट यानी आमिर खान के बॉडीगार्ड के साथ पोज देते हुए दिखाई दे रहे हैं, जिससे लोग कयास लगा रहे हैं कि क्या यह एक सिर्फ सामान्य मुलाकात थी या फिर दोनों के बीच कोई नए प्रोजेक्ट पर बात चल रही है। सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाएं दे रहे लोग सोशल मीडिया पर एक यूजर ने यह तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, आज रणबीर कपूर आमिर खान के बॉडीगार्ड के साथ। लगता है आमिर खान और रणबीर कपूर के बीच कुछ तो पक रहा है। इस तस्वीर पर नेटिजंस ने जमकर अपनी प्रतिक्रियाएं दीं। एक यूजर ने लिखा, मैं जरूर चाहूंगा कि ये दोनों साथ में आएं। आशा है भविष्य में यह हो। एक अन्य ने लिखा, कुछ तो हो रहा है।

## पहले भी साथ आ चुके हैं नजर

आमिर खान और रणबीर कपूर ने इससे पहले फिल्म 'पीके' में साथ काम किया था। रणबीर कपूर ने राजकुमार हिरानी के निर्देशन में बनी इस फिल्म के आखिरी सीन में विशिष्ट भूमिका निभाई थी, जिसे दर्शकों ने काफी सराहा था। अगर दोनों एक साथ फिर से किसी फिल्म में नजर आते हैं, तो यह निश्चित ही दोनों सितारों के फैंस के लिए किसी बड़े तोहफे से कम नहीं होगा।

# साउथ में डेब्यू करने के लिए उत्साहित हैं आयरा बंसल

गोविंदा और वरुण शर्मा की फ्राई डे फिल्म की को-स्टार आयरा बंसल ने हाल ही में अपनी तेलुगु डेब्यू फिल्म की शूटिंग पूरी की है, जो 2025 में रिलीज होगी। आगरा की रहने वाली और अभिनेत्री आयरा बंसल ने फ्राई डे, 36 फार्म हाउस और द जोया फैक्टर जैसी फिल्में की हैं और वह साउथ में डेब्यू करने के लिए काफी उत्साहित हैं। अपनी आने वाली फिल्म के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, मेरी तेलुगु डेब्यू एक एक्शन फिल्म है, जिसका नाम शिवा- द फाइटर है। इस फिल्म में मैं इंदुकुरी सुनील वर्मा, विकास वशिष्ठ और पोसानी कृष्ण मुरली के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर कर रही हूं। फिल्म की डबिंग और पोस्ट प्रोडक्शन का काम चल रहा है, एक बार यह जल्दी ही पूरा हो जाए तो मैं इसके बारे में और बात कर पाऊंगी। म्यूजिक वीडियो में काम करने से आयरा को और काम मिलने में मदद मिली। उन्होंने राजू खेर के साथ सिंगल मेरी बिटिया,अली मर्चेंट के साथ है कहाँ, विनय बावा के साथ बुके और दो पागल में काम किया है। आयरा को लगता है की भगवान की खास कृपा है उनपे, क्योंकि उन्हें अपनी पिछली फिल्मों में कई बहुमुखी प्रतिभा वाले अभिनेताओं के साथ काम करने का मौका मिला। मैं खुद को भाग्यशाली महसूस करती हूँ, क्योंकि मुझे अपनी फिल्म फ्राई डे में गोविंदा और वरुण शर्मा जैसे अभिनेताओं के साथ काम करने का मौका मिला। जैसा कि हम जानते हैं की उनकी कॉमिक टाइमिंग सबसे अच्छी है। दूसरी ओर, मुझे 36 फार्म हाउस में संजय मिश्रा और विजय राज जैसे गंभीर अभिनेताओं और विनीत कुमार सिंह, सौरभ शुक्ला और अन्य के साथ आधार में काम करने का मौका मिला। आयरा ने अनुभवी अभिनेताओं के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करने के बारे में चर्चा करते हुए कहा। फिल्मों और संगीत वीडियो के अलावा, आयरा ने भारत और अमेरिका में कई फैशन डिजाइनरों के लिए रैंप वॉक किया है। आयरा बंसल बिग बॉस सीजन 17 की प्रतिभागी और अभिनेत्री सोनिया बंसल की बहन हैं, लेकिन उन्हें अपना सारा काम ऑडिशन देकर और कास्टिंग एजेंसी की मदद से मिला है। वह खुद को खुशकिस्मत मानती हैं कि उनकी बहन सोनिया उनसे पहले इंडस्ट्री में इंटर किया और जब भी उन्हें मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है, तो वह उनसे मार्गदर्शन ले सकती हैं।

# रोमांटिक फिल्म का हिस्सा बनते प्रियंका-दिलजीत फिर नहीं बनी फिल्म?

प्रियंका चोपड़ा बॉलीवुड में एक अलग मुकाम पाने के बाद हॉलीवुड में एक्टिव हैं, वह बेहतरीन हॉलीवुड सीरीज और फिल्मों का हिस्सा बन रही हैं। इसी तरह पंजाबी सिंगर दिलजीत जहां, पंजाबी फिल्मों के अलाव बॉलीवुड फिल्मों में अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीत रहे हैं, वहीं अपने म्यूजिक कॉन्सर्ट दिल लुमिनाटी से देश-दुनिया में अपना अलग नाम बना रहे हैं, उन्हें भी इंटरनेशल मीडिया ने एक ग्लोबल स्टार मान लिया है। कुछ साल पहले यही दोनों कलाकार यानी प्रियंका और दिलजीत एक रोमांटिक फिल्म का हिस्सा बन सकते थे, लेकिन यह फिल्म नहीं बन पाई? इस फिल्म के निर्माता बोनी ने कपूर ने हाल ही में इस पेंडिंग फिल्म से जुड़ी जानकारी दी।

## प्रियंका को पसंद आया किरदार

निर्माता बोनी कपूर ने हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा कि प्रियंका चोपड़ा के हॉलीवुड में सेटल होने से पहले एक फिल्म बनाने की प्लानिंग थी, जिसमें वह दिलजीत दोसांझ को लेना चाहते थे। दिलजीत को फिल्म में प्रियंका का लव इंट्रेस्ट बनना था। बोनी बताते हैं कि फिल्म का अपना किरदार प्रियंका चोपड़ा को बहुत पंसद आया था।

## नहीं बन पाई फिल्म

बोनी कपूर आगे बताते हैं कि किन्हीं कारणों से यह फिल्म नहीं बन पाई। लेकिन वह लंबे समय से दिलजीत के साथ काम करना चाहते थे। वह इस पंजाबी कलाकार की तरक्की से काफी खुश हैं, उनकी एक्टिंग के भी कायल हैं।

## नो एंट्री 2 में दिलजीत करेंगे कॉमेडी

अगले साल बोनी कपूर की प्रोड्यूस फिल्म 'नो एंट्री 2' में दिलजीत दोसांझ अहम रोल निभा रहे हैं। इस फिल्म का पहला पार्ट काफी हिट हुआ था, जिसमें सलमान खान, अनिल कपूर और फरदीन खान नजर आए थे। अब फिल्म 'नो एंट्री 2' में दिलजीत अपनी कॉमेडी से दर्शकों को हंसाएंगे। इसके अलावा भी दिलजीत दोसांझ अगले साल कुछ और बॉलीवुड फिल्मों में नजर आएंगे।

# विज्ञापन के लिए साथ आए सलमान-ऋतिक

सलमान खान और ऋतिक रोशन फिल्म इंडस्ट्री के दो सबसे बड़े और चमकते सितारे हैं। दोनों दशकों से कई हिट प्रोजेक्ट्स का हिस्सा रहे हैं, लेकिन उन्हें कभी भी स्क्रीन शेयर करने का मौका नहीं मिला। हालांकि, अब ऐसा लगता है कि दर्शकों को दोनों कलाकारों को पर्दे पर किसी प्रोजेक्ट में साथ देखने का मौका मिल सकता है और इसको आसान बनाने के पीछे अली अब्बास जफर का हाथ है।

ऋतिक रोशन ने 1995 में अपने पिता राकेश रोशन द्वारा निर्देशित सलमान खान और शाहरुख खान की फिल्म करण अर्जुन में बतौर सहायक निर्देशक काम किया था। कहो ना प्यार है से अपने अभिनय करियर की शुरुआत करने से पहले उन्होंने सलमान के साथ ट्रेनिंग भी ली थी, लेकिन किस्मत से उन्होंने कभी भी स्क्रीन पर साथ काम नहीं किया। भले ही दोनों अभिनेता एजेंट टाइगर और एजेंट कबीर के रूप में वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा हैं, लेकिन उन्होंने अभी तक शाहरुख खान और सलमान खान जैसे क्रॉसओवर सीन नहीं किए हैं। हालांकि, अब यह सब बदल सकता है।

## जल्द ऑन एयर होगा विज्ञापन

रिपोर्ट्स के अनुसार, सलमान खान और ऋतिक रोशन पहली बार एक्शन से भरपूर विज्ञापन फिल्म के लिए साथ आने वाले हैं। बताया गया कि बड़े पर्दे पर साथ काम करने की तमाम कोशिशों के बाद एक कॉरपोरेट दोनों सुपरस्टार्स को एक्शन से भरपूर विज्ञापन के लिए साथ लाया है। विज्ञापन फिल्म का निर्देशन अली अब्बास जफर करेंगे और यह जल्द ही ऑन एयर होगी।

# पंजाबी फिल्मों में डेब्यू करेंगी निक्की तंबोली

**बिग बॉस 14 की पूर्व प्रतियोगी निक्की तंबोली पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू करने जा रही हैं। वह जल्द ही फिल्म बदनाम के आइटम सॉन्ग में नजर आएंगी। यह फिल्म फरवरी में रिलीज होने वाली है। निक्की ने कहा, मैं बदनाम का हिस्सा बनकर बेहद रोमांचित हूं। यह एक ऐसा गाना है जो आपको उठकर नाचने पर मजबूर कर देगा और मैं इतनी शानदार टीम के साथ काम करने का मौका पाकर बहुत आभारी हूं।**

निक्की हमेशा से ही कुछ नया करने की तलाश में रहती है और बदनाम बस इसी का एक और उदाहरण है। निक्की तंबोली ने गाने पर काम करने के अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए कहा, मुझे उम्मीद है कि मेरे प्रशंसकों को यह गाना उतना ही पसंद आएगा जितना मुझे इस गाने पर काम करने में मजा आया। इस गाने को सुनिधि चौहान ने अपनी आवाज दी है। बदनाम फरवरी 2025 में रिलीज होने वाली है। यह जय रंधावा, जैस्मीन भसीन और मुकेश ऋषि अभिनीत एक रोमांटिक ड्रामा है। 2020 में रियलिटी शो बिग बॉस 14 में भाग लेकर अपना टेलीविजन डेब्यू किया, जहां वह तीसरे स्थान पर रहीं। 2021 में उन्होंने स्टंट-आधारित रियलिटी शो फियर फैक्टर- खतरों के खिलाड़ी 11 में भाग लिया। इस शो को केपटाउन में फिल्माया गया थ। रियलिटी शो के अलावा उन्हें कई म्यूजिक वीडियो सहयोग में भी देखा गया था। 2022 में वह गेम शो द खतरा खतरा शो में देखी गई, जिसे भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया ने होस्ट किया था। निक्की ने नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ हिंदी फिल्म जोगीरा सारा रा रा में कॉकटेल गाने में एक विशेष भूमिका निभाई। 2024 में वह रियलिटी शो बिग बॉस मराठी सीजन 5 में दिखाई दीं, जहां उनकी मुलाकात अरबाज पटेल से हुई, जिन्हें स्प्लिट्सविला 15 में भी देखा गया था। उनकी प्रेम कहानी तब शुरू हुई जब वे बिग बॉस मराठी 5 में प्रतियोगी थे। दोनों के बीच एक करीबी रिश्ता बन गया।

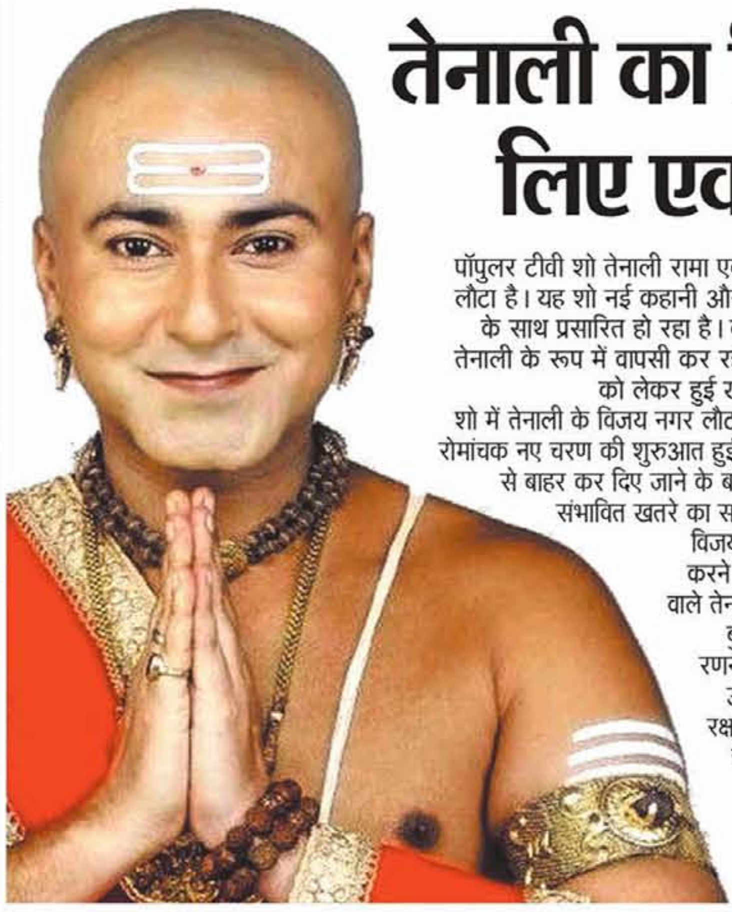

# तेनाली का किरदार निभाना मेरे लिए एक बड़ी जिम्मेदारी है

पॉपुलर टीवी शो तेनाली रामा एक बार फिर से लौटा है। यह शो नई कहानी और नए किरदारों के साथ प्रसारित हो रहा है। कृष्ण भारद्वाज, तेनाली के रूप में वापसी कर रहे हैं। उनसे शो को लेकर हुई खास बातचीत...

शो में तेनाली के विजय नगर लौटने के साथ एक रोमांचक नए चरण की शुरुआत हुई, क्योंकि राज्य से बाहर कर दिए जाने के बाद वह क्षेत्र एक संभावित खतरे का सामना करता है। विजय नगर की रक्षा करने का काम करने वाले तेनाली अपनी तेज बुद्धि, हास्य और रणनीतिक ज्ञान का उपयोग भूमि की रक्षा के लिए करते हैं, साथ ही चार युवा होनहार बच्चों को मार्गदर्शन भी देते हैं। तेनाली राम का किरदार निभाना मेरे लिए एक जिम्मेदारी जैसा है।

## लाइफ में क्या बदलाव पाते हैं तेनाली प्ले करते हुए?

तेनाली की बुद्धि और करुणा आज भी हमें बहुत कुछ सिखाती है। एक एक्टर के तौर पर उनके किरदार में ढलने से मुझे एक ऐसे किरदार की बारीकियों को समझने का मौका मिलता है जो एक तरफ तो बहुत बड़ा है वहीं दूसरी तरफ बहुत मानवीय भी है। बाकी मुझे लगता है कि ये किरदार प्ले करके मैं अधिक खुश रहता हूं। लाइफ बेटर फील होती है, कई समस्याओं के हल मिल जाते हैं। तो इस तरह से मुझे ये किरदार बदलता है। चूंकि हम हर दिन, पूरे महीने, महीने, पूरे साल उसी किरदार में रहते हैं तो दिमाग में कहीं न कहीं उसका थोड़ा सा अंश लंबे समय तक बना ही रहता है।

## शो के लिए फिर से क्या तैयारियां रहीं। क्या प्रोस्थेटिक भी इस्तेमाल हुआ?

तैयारियों की बात करूं तो चार सालों का जमा हुआ एक्साइटमेंट है। मुझे जो कुछ भी लाइफ में मिला है वह इस शो के जरिए ही मिला है। शो के लिए एक बार फिर से बालों का त्याग करने से तैयारी शुरू हुई है। हम चाहते तो प्रोस्थेटिक से भी बाल्ड लुक तैयार कर सकते थे पर ऐसा नहीं किया। यह लंबे समय तक चलने वाला शो है। हालांकि मैंने एक-दो शॉट दिए हैं प्रोस्थेटिक बाल्ड लुक में पर बहुत पेनफुल प्रोसेस थी।

## क्या आपको नहीं लगता कि आप एक ही इमेज में बंध गए हैं?

इसके पहले सोनी सब पर ध्रुव तारा शो के लिए विग और दाढ़ी लगाकर शूट किया था। उसमें एकदम एंग्री यंग मैन किरदार था। बाकी तेनाली की इमेज में तो मैं बंधा ही हुआ हूं। यह एक ऐसी इमेज है जो लोगों के मन में काफी छाप छोड़ चुकी है। इसलिए इसमें से निकलना थोड़ा मुश्किल है। अब इस शो को एक और नई जनरेशन देखेगी और कुछ अच्छा सीखेगी।

## आगे कैसे किरदार करना चाहेंगे?

मैं जिस तरह के किरदार में अपने करियर में करना चाहता था वो मुझे नहीं मिले। फिलहाल तो मुझे तेनाली से बेहतर कुछ मिल नहीं सकता। मेरी एक क्यूट सी इमेज बनी हुई है लोगों में तो मैं उसे जरूर ब्रेक करना चाहूंगा। हालांकि बतौर एक्टर मुझे खुद को एक्शन करते हुए देखना है। विलन टाइप किरदार करना है। जहां मेरे लिए कुछ चैलेंजिंग हो। मेरा ड्रीम है कि रणबीर कपूर की रॉकस्टार जैसा कोई रोल करियर में प्ले करूं।

# आयुष्मान बनेंगे सूरज बड़जात्या के नए प्रेम

सूरज बड़जात्या मैंने प्यार किया, हम आपके हैं कौन, हम साथ साथ हैं, विवाह और प्रेम रतन धन पायो जैसी पारिवारिक फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। इन दिनों वो अपनी अगली फिल्म के लिए कास्टिंग कर रहे हैं। अब उन्हें अपना नया प्रेम मिल गया है। जी हां, उन्होंने अपने अगले निर्देशन के लिए आयुष्मान खुराना को साइन किया है। रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म का नाम अभी तय नहीं हुआ है। ये एक रोमांटिक लव स्टोरी होगी। सूत्र ने कहा, सूरज जी किसी ऐसे कलाकार को कास्ट करना चाहते थे, जिसकी फैमिली दर्शकों के बीच इमेज हो और वो नए जमाने का प्रेम बन सके। आयुष्मान को वो दुनिया पसंद आई, जिसे सूरज अपनी अगली फिल्म में बनाना चाहते हैं। दूसरी ओर सूरज जी को लगता है कि आयुष्मान में प्रेम का किरदार निभाने के लिए मासूमियत और आकर्षण है।

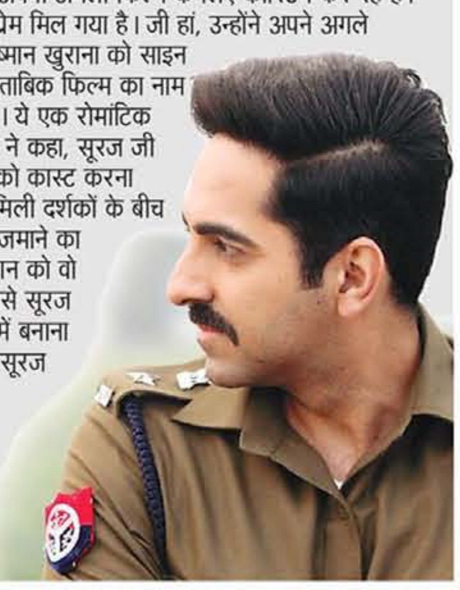

RERA No: UPRERAPR975/08/2024
WWW.UPRERA.IN

KAMAKHYA
CROSSWALK

# A GATEWAY OF OPPORTUNITIES – YOUR FUTURE BEGINS HERE!

AN UPCOMING PREMIUM RETAIL & LIFESTYLE HUB IN GREATER NOIDA, NEAR JEWAR AIRPORT, EXPO CENTER & YAMUNA EXPRESSWAY.

## GREATER NOIDA | PRICE: ₹ 41 Lack*

KAMAKHYA DEVELOPERS – WHERE DREAMS TAKE SHAPE AND BUSINESSES THRIVE!

*COMMERCIAL SPACES DESIGNED FOR SUCCESS :*

- *SPACIOUS BUSINESS SPACES*
- *SHOPS CORRIDOR WITH MODERN INFRASTRUCTURE*
- *ESCALATORS & HIGH-SPEED LIFTS FOR EASY MOBILITY*
- *AERIAL VIEWS FOR A LUXURIOUS EXPERIENCE*
- *PRIME ATRIUM AREAS FOR MAXIMUM VISIBILITY*

### Why Choose Kamakhya Developers?

* 15 YEARS OF MATCHLESS LEGACY * 10,50,000 SQ. FT. DELIVERED * 8,000+ HAPPY FAMILIES RESIDING IN OUR PROJECTS * TRANSPARENT & CUSTOMER-CENTRIC APPROACH

STRATEGIC LOCATION HIGHLIGHTS : NEAR JEWAR AIRPORT NEAR EXPO CENTER CLOSE TO YAMUNA EXPRESSWAY CLOSE TO SHOPPING ZONES CLOSE TO HOSPITALS

LIMITED OFFER

CALL US 18005706667 / +91 98731 64212

Follow Us !

Corporate Office: C-59, Ground Floor, Sector – 63, Noida, UP – 201301
Site Address: Plot No – LS-1, Sector – P-4, Greater Noida, Gautam Buddha Nagar, U.P.

www.kamakhyadevelopers.com